प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा-071/2022-24
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-113 | मथुरा, बुधवार, 17 जून 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज-10
शादी से लौटते वक्त भीषण हादसा, पांच जिंदा जले

पेज-11
केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से बड़ा हादसा

पेज-12
मथुरा की विशेष खबरों के लिए पेज 12 पढ़ें

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की योजना

लता-पताओं की हरियाली से महकेगा पावन वृंदावन धाम

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कभी तुलसी (वृंदा) का वन हुआ करता था। लता पताओं से अच्छादित हर तरफ हरियाली थी। मंदिरों के साथ कुंज और सरोवर इस पवित्र भूमि की खूबसूरती को और भी निखारते थे, जो अब दिखाई नहीं देता है। वृंदावन के इस प्राचीन स्वरूप को फिर से वन क्षेत्र के माध्यम से पुनर्जीवित करने की योजना उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने तैयार की है। कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ यहाँ प्राकृतिक छटा का लुत्फ उठा सकेंगी। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्याम

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्याम बहादुर सिंह।

बहादुर सिंह ने बताया कि वन विभाग के साथ ब्रज तीर्थ विकास परिषद अब ठाकुर बांकेबिहारी महाराज की नगरी वृंदावन में दो नए वन क्षेत्र विकसित कर रहा है। इसमें एक क्षेत्र प्रेम मंदिर के निकट वृंदावन छटीकरा मार्ग स्थित

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को मध्य रख वृंदावन में फिर पुनर्जीवित होंगे दो वन क्षेत्र

श्रद्धालु उठा सकेंगे प्राकृतिक छटा का लुत्फ

वन विभाग व एमवीडीए के साथ मिल कर हो रहा है योजना पर कार्य

सुनरख है, जहाँ वर्तमान में बबूल के पेड़ हैं। 125 एकड़ क्षेत्रफल में से करीब 80 एकड़ में इस वन को तैयार किया जा रहा है।

योजना के तहत वन विभाग यहाँ पीपल, बरगद, पाखड़, नीम, कदम्ब के वृक्ष लगाएगा। सीईओ श्री सिंह ने बताया कि इसी तरह एक अन्य योजना वृंदावन स्थित कुम्भ क्षेत्र की है। जहां वृंदावन का प्राचीन मूल स्वरूप देखने को मिलेगा। यमुना किनारे 56 हेक्टेयर कुंभ क्षेत्र को रमणीक वन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ यमुना तट और परिक्रमा मार्ग के बीच कदंब, बरगद आदि वृक्षावली तैयार हो रही है। इनके नीचे भक्तजन भगवत आराधना, भगवत कथा का श्रवण भी कर सकेंगे। इसके लिए मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा अस्थाई विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। यमुना किनारे स्थित यह कुंभ क्षेत्र श्री बांके बिहारी जी के भक्तों को प्राचीन वृंदावन का अहसास कराएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद यहाँ एक निजी संस्था के साथ काम कर रहा है। इस पूरे क्षेत्र को भविष्य में लगने वाले कुंभ को देखते हुए तैयार किया है, जिसमें रास्ते और साधु संतों के पंडाल के किए भी खाली स्थान रखा गया है।

उन्होंने बताया कि यह दोनों ही वन क्षेत्र श्रीबाँके बिहारी कॉरिडोर बनने के बाद बढ़ने वाली भीड़ के लिए उपयुक्त स्थल होंगे। यहां लोग दर्शन से पहले या पट बंद होने के बाद दोपहर के वक्त वृंदावन की प्राकृतिक छटा का लुफ्त उठा सकेंगे।

इन दोनों वन क्षेत्र के मध्य ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण प्रस्तावित है। इस पर जिला प्रशासन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर सहमति बनाने का प्रयास में जुटा है।

कॉरिडोर में बनेंगे सेवायतों के दो घर

राजभोग और शयन भोग सेवा के लिए होंगे आवंटित

वरिष्ठ संवाददाता

ठाकुर बांके बिहारी महाराज की सेवा-पूजा को ध्यान में रखकर मंदिर से महज चंद मीटर की दूरी पर होगा निर्माण

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर में सेवायतों के लिए दो आवास की व्यवस्था की जा रही है। यह आवास राजभोग और शयन भोग की सेवा के सेवायतों को आवंटित किए जाएंगे, जो बांके बिहारी मंदिर से महज चंद मीटर की दूरी पर होंगे। ठाकुर बांके बिहारी महाराज के भक्तों के लिए बनाए जा रहे कॉरिडोर को बुजुर्ग, महिला और बच्चों का खास ख्याल रखते हुए डिजायन किया गया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि करीब 5.5 एकड़ क्षेत्रफल में तैयार हो रहे कॉरिडोर में 3000 लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था प्रतीक्षालय में रहेगी k

कॉरिडोर में एक साथ 10 हजार श्रद्धालु आ सकेंगे। इसके अलावा चिकित्सा, सुरक्षा, जूता चप्पल केंद्र, दुकानें भी रहेंगी। जिलाधिकारी ने बताया कि कॉरिडोर में ही मंदिर के अत्यंत निकट महज कुछ दूरी पर आवास की व्यवस्था भी की गई है। यह आवास राजभोग और शयन भोग सेवा के सेवायतो के लिए होंगे। निर्धारित सेवा के अनुसार इन्हें सेवायतों को आवंटित किया जाएगा। आवंटन का क्रम सेवा अनुसार बदलता रहेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य श्रीबांके बिहारी की सेवा पूजा करने वाले सेवायतों को सेवा के दौरान आवश्यक सुविधा प्रदान करना है।

बाइक को क्रेटा कार ने टक्कर मारी, किशोरी सहित तीन घायल

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैंत क्षेत्र स्थित अक्षयपात्र के समीप बाइक सवार तीन लोगों को क्रेटा कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक किशोरी सहित तीनों बाइक सवार घायल हो गए। सिहाना निवासी रवि पल्सर बाइक से जा रहा था। बाइक पर पायल पुत्री शिव सिंह व मनीष निवासी बड़ी आटस भी बैठे हुए थे। अक्षय पात्र के समीप तेज गति से आती क्रेटा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया। घायलों को उपचार के लिए भेज दिया।

श्री चित्रगुप्त पर अपमानजनक टिप्पणी का मामला

कथावचक प्रदीप मिश्रा का पुतला फूंका

सिविल लाइन पुलिस चौकी के सामने कथावाचक प्रदीप मिश्रा का पुतला फूंकते ब्रज के संत, मंदिरों के सेवायत, अधिवक्ता व सनातनी।

संत व ब्रजवासियों ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन, गिरफ्तारी की मांग

यूनिक समय, मथुरा। कथावचक प्रदीप मिश्रा द्वारा सनातन धर्म और न्याय के देवता श्री चित्रगुप्त पर दिए गए अपमानजनक बयान पर ब्रजवासियों में बुधवार को उबाल देखने को मिला। लोगों व संतों ने सिविल लाइंस पुलिस चौकी पहुंचकर श्री चित्रगुप्त पीठ वृंदावन एवं श्रीचित्रगुप्त अखाड़ा के पीठाधीश्वर जगतगुरु डॉ. सचिदानंद चित्रगुप्ताचार्य महाराज के नेतृत्व में कथावचक प्रदीप मिश्रा का पुतला फूंक कर विरोध व्यक्त किया। एसएसपी को मांग पत्र सौंप कर प्रदीप मिश्रा के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। एसएसपी को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि धार्मिक मंचों से सनातन के देवी देवताओं के विरूद्ध कोई भी अपमान जनक या अनुचित टिप्पणी निषिद्ध घोषित हो, प्रशासन द्वारा मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रदीप मिश्रा को गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन करने वालों में दीर्घ विष्णु मन्दिर के महंत कान्तानाथ चतुर्वेदी मंडलेश्वर गौरानंद महाराज, श्रीमती जयश्री श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रदीप सक्सेना एडवोकेट, प्रदीप चतुर्वेदी एडवोकेट, गोल्डी सक्सेना एडवोकेट, अनूप श्रीवास्तव एडवोकेट, धीरेन्द्र कुलश्रेष्ठ, अमित मिश्रा, रोहित पाठक, अजय सक्सेना, मनोज सक्सेना, मयंक सक्सेना, सुंदर चौधरी, ठाकुर बिहारी लाल, राज सक्सेना, शिवानी, राकेश सक्सेना शिल्पा स्वरूप, रुचि सक्सेना, रेखा तथा सुधा आदि शामिल थे।

अच्छी खबर — नया फास्टैग वार्षिक पास15 अगस्त से लागू होगा

तीन हजार रुपये में मिलेगी सालभर टोल मुक्त सुविधा

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप कार, जीप या वैन जैसे निजी वाहन से अक्सर लंबी दूरी की यात्रा करते हैं, तो आपके लिए केंद्र सरकार की नई योजना बड़ी राहत लेकर आ रही है। आगामी 15 अगस्त 2025 से फास्टैग को लेकर नियमों में बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत सरकार तीन हजार रुपये की कीमत वाला एक वार्षिक फास्टैग पास शुरू करने जा रही है। यह पास सिर्फ गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों के लिए मान्य होगा। केंद्रीय

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह पास देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को आसान बनाएगा। यह वार्षिक पास सक्रिय होने की तिथि से 1 वर्ष या

केवल निजी वाहनों के लिए उपलब्ध रहेगा यह पास

200 यात्राओं या 1 वर्ष तक रहेगा मान्य

200 टोल यात्राओं, जो भी पहले हो, तक वैध रहेगा। यानी यात्रियों को हर बार टोल भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। सरकार के अनुसार, यह योजना 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल नाकों की वजह से लोगों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए लाई गई है। इससे एक ही लेन-देन में शुल्क भुगतान आसान होगा और यात्रा सुगम बन जाएगी। इस पास को सक्रिय करने या नवीनीकरण कराने के लिए जल्द ही एक विशेष कड़ी राजमार्ग यात्रा अनुप्रयोग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण/सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइटों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसके जरिए उपयोगकर्ता आसानी से इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

भूतेश्वर जलभराव में उतरे नगर आयुक्त

पानी भरी सड़कों पर 12 बजे तक लेते रहे जायजा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार की सायं शहर में हुई तेज बारिश से जल भराव में जब लोगों का सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा था। उस समय नगर आयुक्त जगप्रवेश नगर निगम की टीम के साथ पानी भरी सड़कों पर निकल कर लोगों के लिए पानी भरे रास्ते को साफ करा रहे थे। यही नहीं जल भराव वाले इलाकों में लोगों को जाने से रोकने के लिए भी नगर निगम के कर्मचारियों को भी लगाया। नगर आयुक्त मध्य रात्रि तक पानी के बीच डटे रहे।

नगर आयुक्त जग प्रवेश शहर और नागरिकों की समस्याओं को लेकर काफी गंभीर है। इस बात का अंदाजा कल शहर में हुई तेज बारिश के बाद शहर की सड़कों पर होने वाले जल भराव के दौरान दिखाई दिया। नगर आयुक्त को इस बात का पता लगा कि बारिश के चलते शहर में जलभराव के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त होता है। उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों और नगर निगम की टीम को साथ लिया और निकल पड़े जलभराव की समस्या का जायजा लेने। नगर आयुक्त ने पानी में पैदल चलकर टीम के साथ भूतेश्वर अंडर पास, कंकाली रोड और नए बस अड्डे के अंडर पास के नीचे हुए जल भराव को निकालने के लिए अतिरिक्त ट्रैक्टरों में पंप लगा कर पानी को निकलवाया।

मंगलवार की रात्रि में जल भराव की स्थिति का जायजा लेते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

अंडर पासों में हुए जलभराव को खाली कराया

जलभराव की ओर जाने वाले रास्तों पर लगाई बैरिकेडिंग

नगर निगम की टीमों को रात में करनी पड़ी जल निकासी

बताया गया इस दौरान भूतेश्वर अंडर पास में भरे पानी में एक ट्रैक्टर फंस गया, उसे भी जेसीबी की मदद से निकलवाया। इसके साथ ही जल भराव वाले अंडर पासों की ओर जाने वाले वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग भी लगवाए। किसी भी हादसे को रोकने के लिए नगर निगम के कर्मचारियों को भी लगाया गया। नगर निगम की टीमों को जल निकासी के कार्य लगातार नजर रखने के आदेश भी दिए।

सड़क निर्माण के लिए रेलवे रोड पर चली जेसीबी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा कटरा बाजार फाटक को बंद करने की योजना है। इससे पहले रेल प्रशासन को रेलवे लाइन के सहारे कटरा बाजार फाटक से लेकर मांट फाटक तक बने उबड़ खाबड़ रास्ते का निर्माण कार्य कराकर यात्रियों के लिए पक्की सड़क बनाकर देनी है। इसको लेकर आज रेलवे के अधिकारी जेसीबी लेकर राया के रेलवे मार्ग सब्जी मंडी पहुंचे।

जेसीबी देख दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इस दौरान रेलवे रोड के सहारे लगी अस्थायी स्थायी दुकानदारों ने अपना–अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। फिलहाल जेसीबी ने रेलवे मार्ग का समतलीकरण कर दिया। इसके बाद सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो जायेगा। इस दौरान काफी संख्या में आरपीएफ पुलिस रेलवे कर्मचारी मौजूद थे।

राया में सड़क निर्माण के लिए रेलवे रोड पर चलवायी जेसीबी।

10 जुलाई तक राशन प्राप्त करें उपभोक्ता

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य तथा रसद विभाग के आयुक्त ने माह जुलाई 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क एवं अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास अप्रैल, मई, जून, 2025 के सापेक्ष 3 किग्रा चीनी प्रतिकार्ड, रिफाइंडस चावल व पात्र गृहस्थी कार्ड पर प्रति यूनिट 2 किग्रा गेहूँ, 03 किग्रा चावल वितरण 20 जून से 10 जुलाई तक वितरण किए जाने के निर्देश सभी जिलों के जिला पूर्ति अधिकारी को दिये गये हैं।

नगर आयुक्त की मेहनत को लोगों ने सराहा

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के दौरान शहर में हुए जलभराव को जिस तरह नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर दो से लेकर ढाई बजे तक पम्पों के माध्यम से पानी निकलवा कर सड़कों पर यातायात को सुचारू कर दिया। जल भराव से प्रभावित इलाके लोगों ने उनकी तारीफ की है। बारिश के दौरान भूतेश्वर पुल से लेकर नए बस अड्डे तक सड़क पर तीन–तीन फीट से अधिक पानी भर जाता है। इसके कारण शहर के अंदर जाने वाले हिस्सों का संपर्क पानी भरने के कारण पूरी तरह समाप्त हो जाता है। सायं और रात में हुई बारिश के चलते अगले दिन प्रातः तक इस मार्ग पर चलने में लोगों को भारी परेशानी होती थी। बीती रात नगर आयुक्त जग प्रवेश ने इसे गंभीरता से लिया और अपनी टीम के साथ ट्रैक्टरों में लगे पम्पों के माध्यम से पुल और सड़कों पर हुए जल भराव को निकलवाया। करीब ढाई बजे तक नगर निगम की टीमों ने सड़कों और पुल के नीचे भरे पानी को पूरी तरह से निकाल कर सड़कों को चलने के लायक बना दिया। बीएसए कॉलेज की पुलिया के निकट फूलों के पौधे बिक्री करने वाले परिवारों ने बताया कि बारिश का पानी उनके बाड़े के अंदर तक भर जाता था। पानी प्रातः ही निकल पाता था, लेकिन यहां भरा पानी रात को ढाई बजे के बाद निकल गया। पानी निकलने के बाद सड़क पर फैली गंदगी रह जाती थी, लेकिन नगर निगम के कर्मचारियों ने सड़क की इस तरह से सफाई करा दी जैसे यहां कुछ हुआ ही न हो।

भूतेश्वर अंडर पास पर जल भराव का नहीं दिखाई दिया निशान।

ढाई बजे तक सड़कों पर भरे पानी को निकलवाकर किया सुचारू

जलभराव वाले इलाके की सड़कों की सफाई भी कराई

सांसद और डीएम पहुंचे कृष्णा कुटीर

माता दोनों के गले मिली, अपनत्व का अहसास

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सांसद हेमामालिनी ने बुधवार को आश्रय सदन कृष्णा कुटीर का निरीक्षण किया। महिलाओं ने हेमामालिनी से कहा कि आज उनसे बसंती मिलने आई हैं। अब तांगा में घुमाने ले जाएंगी। ये सुनकर हेमा मालिनी ठहाके लगाकर हंसने लगीं। महिलाओं ने हेमा से कहा कि अगली बार जब आप आएं, तो धर्मेंद्र जी को जरूर साथ लाएं। हेमामालिनी ने महिलाओं से गले मिलकर राधे राधे कहा।

महिलाओं ने कहा कि आपको टीवी में देखते थे, आज राधा रानी की कृपा से सामने से देख लिया। कृष्णा कुटीर में 380 निराश्रित एवं बेसहारा महिलाएं आश्रित हैं। इन महिलाओं को मंदिरों के दर्शन करने जाने के लिए दिक्कत न हो इसके लिए इंडियन ओवरसीज बैंक की राजीव भवन शाखा ने अपने सीएसआर फंड से एक 16 शीटर गोल्फ कार्ट दी है। इसी गोल्फ कार्ट का शुभारंभ करने सांसद हेमामालिनी तथा डीएम चंद्र प्रकाश सिंह कृष्णा कुटीर आए। कृष्णा कुटीर में रहने वाली महिलाओं से हेमा मालिनी ने मुलाकात की, तो माहौल ही अलग हो गया। एक महिला आंखों में आंसू ले आई, जिसे हेमामालिनी ने अपने गले लगाया। हंसकर उसकी भावुकता को कम किया। हेमामालिनी ने वहां रह रही महिलाओं से हालचाल जाना। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह को देखकर एक महिला ने कहा कि शायद उनका बेटा भी इतना ही बड़ा होगा। इसके बाद डीएम ने माता को गले से लगा लिया और अपनत्व का एहसास कराने की कोशिश की। डीएम ने बताया कि जब मां बेटा का मिलन होता है तो स्वाभाविक है भावुकता आ ही जाती है।

कृष्णा कुटीर में एक माता को गले लगाती सांसद हेमामालिनी।

कॉरिडोर का किया विरोध, गोस्वामी समाज को समर्थन

यूनिक समय, वृंदावन। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष दुष्यंत सारस्वत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर गोस्वामी समाज को अपना समर्थन पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का निर्माण किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे। चाहे इसके लिए हमें कोई भी कुर्बानी देनी होगी। हम तैयार हैं। ब्राह्मण महासभा कॉरिडोर के खिलाफ है। महानगर अध्यक्ष श्याम कुमार, उपाध्यक्ष आचार्य दीपक गोस्वामी ने कहा कि 23 जून को होने वाले महासभा के प्रांतीय अधिवेशन में कॉरिडोर का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। इस मौके पर मोहन बल्लभ शर्मा, जतिन मिश्रा, मनोज कृष्ण शास्त्री, गिरधर शर्मा तथा श्यामदेव शांडिल्य आदि उपस्थित थे।

जिले की 174 ग्राम पंचायतों में कूड़ा कलेक्शन का कार्य

20 हजार घरों पर पहुंच रही हैं गाड़ियां

जुलाई तक 60 हजार परिवारों से कूड़ा कलेक्शन का लक्ष्य

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छ भारत अभियान के तहत जनपद में डीएम व सीडीओ के निर्देशन में ब्रज की रज प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके क्रम में जनपद की 495 ग्राम पंचायतों में से 174 ग्राम पंचायतों में ई रिक्शा के माध्यम से प्रत्येक घर से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जाएगा। पंचायत राज विभाग 15 अगस्त तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में घर–घर कूड़ा कलेक्शन कराया जाएगा। सीडीओ मनीष मीना ने 174 ग्राम

धनंजय जायसवाल

पंचायतों में कूड़ा कलेक्शन का कार्य हो रहा है या नहीं। इसका सत्यापन ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीमें बनाकर कराने के निर्देश डीपीआरओ को दिए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि अभी जिले की 174 ग्राम पंचायतों में ई रिक्शा के माध्यम से घर घर कूड़ा कलेक्शन का कार्य चलाया जा रहा है। इसमें इन ग्राम पंचायतों के लगभग 24 हजार परिवारों के घरों से कूड़ा कलेक्शन किया जा रहा है।

सत्यापन करेंगे ये अधिकारी

मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने सभी ब्लॉकों में तैनात एडीओ पंचायत, एडीओ समाज कल्याण, एडीओ सहकारिता, एडीओ अर्थ संख्या, खंड शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी व जेई सत्यापन के लिए लगाए गए हैं। प्रत्येक अधिकारी 25 से 30 जून तक कूड़ा कलेक्शन के कार्य का सत्यापन करेंगे। सभी अधिकारियों को तीन–तीन पंचायतें दी गई है।

गूगल मैप से होगी कूड़ा कलेक्शन की मॉनिटरिंग

यूनिक समय, मथुरा। डीपीआर ने बताया कि अब कूड़ा कलेक्शन की मॉनिटरिंग गूगल मैप से कराई जाएगी। सीडीओ के निर्देश पर एक एप विकसित कराया जा रहा है। इसके बाद कोई भी अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर किसी भी ग्राम पंचायत की सफाई व्यवस्था व कूड़ा कलेक्शन के कार्य की मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

उन्होंने बताया कि जुलाई तक 60 हजार परिवारों से ई रिक्शा से कूड़ा कलेक्शन कराने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। शेष बची ग्राम पंचायतों में कूड़ा कलेक्शन 15 अगस्त तक किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शेष बची ग्राम पंचायतों में ई रिक्शा खरीदने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांवों में ई रिक्शा गांवों के प्रत्येक घरों पर जाकर प्लास्टिक पॉलीथिन अलग ले रहा है जबकि अन्य प्रकार का कूड़ा अलग ले रहा है। डीपीआरओ ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से अपील की है कि घर में एक अलग कट्टे में प्लास्टिक व पॉलीथिन को दूसरे कट्टे में एकत्रित कर लें।

नगर आयुक्त को सौंपा दस सूत्रीय मांग पत्र

नगर निगम कार्यालय मे ज्ञापन देते महात्मा ज्योतिराव फूले विकास समिति एवं अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। महात्मा ज्योतिराव फूले विकास समिति एवं अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 10 सूत्रीय मांग पत्र नगर आयुक्त के नाम एडवोकेट विवेक कुमार के नेतृत्व में नगर निगम में तैनात स्टेनो को सौंपा। मांग पत्र में गत दिनों कच्ची सड़क शाहगंज दरवाजा स्थित माया टीला पर अवैध टीले की खुदाई के दौरान हुए हादसे में मारे गए निर्दोष लोगों एवं टूट कर गिरे ध्वस्त मकानों के आहत लोगों को तत्काल वैकल्पिक आवास एवं सहायता उपलब्ध कराने घटना से सबक लेकर पुराने शहर में टीलों महोली की पौर, चौबिया पाड़ा, कटौती कुआं, चूरिआना मोहल्ला, मनोहरपुरा, अर्जुनपुरा , कच्ची सड़क माया टीला आदि क्षेत्र में मकान पर पड़ी दरारें, जर्जर मकान पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था शिक्षा एवं टीलों के संरक्षण से जुड़ी मांगे शामिल थी। इस मौके पर समिति अध्यक्ष रमेश सैनी, अजय सनवाल, सिद्धांत भाटिया, समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, विकास कल्याण, रोहताश कुमार, आकाश बाबू, असलम कुरैशी, विशाल, राजेंद्र तथा अभिषेक आदि उपस्थित थे।

योगाचार्यों ने छात्र व प्रोफेसरों को बताये योग के लाभ

अंतर्राष्ट्रीय योग संगोष्ठी में भाग लेने आए अतिथि योग गुरू का सम्मान करते वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो . विकास पाठक।

वरिष्ठ संवाददाता

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में हुई अंतर्राष्ट्रीय योग संगोष्ठी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान द्वारा आयुर्वेद एवं योग पर अंतरराष्ट्रीय योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के आयुर्वेद एवं योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार मदन ने किया। जनसंपर्क अधिकारी प्रो. देश दीपक सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आयुर्वेद एवं योग के क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने अपना अनुभव एवं ज्ञान साझा किया।

पशु चिकित्सा महाविद्यालय प्रो. अधिष्ठाता विकास पाठक ने योग की आवश्यकता एवं उपयोग के बारे में चर्चा की। एसकेएस आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. विष्णु हरित ने योग अभ्यास मानसिक तनाव कम करने तथा मन को शांत करने का सर्वोत्तम उपाय बताया।

महिला पतंजलि योग समिति के जिला प्रमुख व योगगुरु रुचि द्विवेदी ने महिलाओं को योग के महत्व तथा उससे होने वाले लाभों की चर्चा की। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रमुख डॉ. अमर सिंह पूनियां ने आयुर्वेद में योग के संयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। योगाचार्य शन्नो शुक्ला ने योग के लाभों पर चर्चा की। एसकेएस आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. भूपेश शर्मा ने आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला।

योगगुरु डॉ. योगऋषि विश्वकेतु ने कहा कि योग के अभ्यास से आंतरिक शांति को बढ़ावा देकर, व्यक्ति अपने जीवन में मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास करते हुए, अपने जीवन के उद्देश्यों को अच्छी तरह से पूर्ण कर पाता है। आयोजक सचिव डॉ. रजनीश सिरोही ने आभार जताया।

रिश्वत में फंसे दरोगा और दीवान की जमानत पर नहीं हुई सुनवाई

कोर्ट अब इस पर 27 जून को करेगा सुनवाई

यूनिक समय, मथुरा। रिश्वत कांड में फंसे मंडी समिति के पूर्व पुलिस चौकी और दीवान की जमानत अर्जी पर कोर्ट में आज भी नहीं हो सकी सुनवाई। अगली सुनवाई के लिए 27जून होगी। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह ने बताया कि जिला जज की अदालत में निलंबित दरोगा विदित कुमार और दीवान दिलीप पोनिया ने 11 मई को महेंद्र नगर में हुई मारपीट और गोलीबारी की घटना में आरोपी सचिन को पकड़ लिया था। उसे मुठभेड़ में गोली मारने की धमकी देकर छोड़ने के दो लाख रुपये की रकम मांगी थी। बाद में मामला 80 हजार में तय हो गया। 80 हजार रुपये की रिश्वत लेने के बाद सचिन को छोड़ दिया गया। बाद में शिकायत पर एसएसपी ने जांच कराई तो मामला सही पाए जाने पर दोनों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के बाद दोनों को जेल भेज दिया। इस मामले में जिला जज के न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया था। आज जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई होनी थी। जिला जज के छुट्टी पर चले जाने के कारण जमानत प्रार्थना पत्र को लिंक कोर्ट में भेज दिया गया। लिंक कोर्ट ने भी जमानत पर सुनवाई नहीं की और सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख नियत की है।

गुरुनानक कॉलोनी के लोग सांसद से मिले

यूनिक समय, मथुरा। गुरु नानक नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद हेमामालिनी से मुलाकात की। गुरु नानक नगर की दशक पुरानी गंभीर जलभराव की समस्या से अवगत कराया। एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश खंडेलवाल ने सांसद को ज्ञापन सौंपा। इसमें जलभराव के मुख्य कारण, एक दशक से हो रहे हर वर्ष जलभराव की दयनीय स्थिति के छायाचित्र और दीर्घकालीन समाधान के लिए सात बिंदु के सुझाव थे। सांसद ने पूरी बात गंभीरता से सुनी और उसी क्षण अधिकारी को निर्देश देने की बात कहकर समस्या का उचित निवारण करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में महामंत्री राकेश सक्सेना, संरक्षक सुभाष जैन, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, संगठन मंत्री जुगल श्रीवास्तव और मंत्री जयकेशव मिश्रा (मंत्री) शामिल थे।

राहगीरों की प्यास बुझा रहे नगर निगम के वॉटर एटीएम

126 वॉटर एटीएम कर रहे जनसेवा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी मथुरा में प्रतिदिन देश–विदेश से हजारों श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय नागरिकों और आगंतुकों की पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा शहर भर में लगाए गए वॉटर एटीएम अब जनजीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।

नगर निगम के अनुसार वर्तमान में शहर में कुल 126 वॉटर एटीएम पूरी तरह से क्रियाशील हैं। ये एटीएम आमजन को 10 रुपये में 20 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ एटीएम ऐसे भी हैं जिनकी दैनिक आमदनी 700 से 1000 रुपये तक पहुंच रही है।

यह व्यवस्था विशेष रूप से सार्वजनिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और शिक्षण संस्थानों में की गई है, जहां पहले पीने के पानी की भारी किल्लत थी।

महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद ख्वाजा ने बताया कि वॉटर एटीएम पर पेयजल की गुणवत्ता व स्वच्छता को प्राथमिकता दी जा रही है। सभी एटीएम की नियमित तकनीकी देखरेख की जाती है और जल के नमूनों की प्रयोगशाला जांच भी समय–समय पर होती है। किसी भी एटीएम में खराबी की सूचना मिलने पर तत्काल मरम्मत कराई जाती है ताकि किसी को असुविधा न हो।

नगर निगम का यह प्रयास प्यासे राहगीरों, श्रमिकों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। यह पहल मथुरा को एक स्वस्थ, स्वच्छ और जागरूक शहर की दिशा में अग्रसर कर रही है।

क्षतिग्रस्त विद्युत पोल और बंच बदलने का कार्य शुरू

लोगों को मिलेगी विद्युत कटौती से राहत

यूनिक समय, छाता। कस्बे में वर्षों से क्षतिग्रस्त हालत में खड़े विद्युत पोल और विद्युत तारों की बंच को बदलने का कार्य शुरू हो गया। इससे उपभोक्ताओं की शिकायत कम होगी और विद्युत आपूर्ति अधिक मात्रा में मिलेगी, हादसे कम होंगे। नगर के विभिन्न मार्गों, मोहल्लों में कई वर्षों से विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हालात में खड़े हैं, विद्युत लाइनों की बंचें भी जगह–जगह से जली व टूटी पड़ी है। इससे आए दिन विद्युत पोल गिरते रहते हैं और तार टूट जाते हैं लोगों को भी परेशानियां होती है। विद्युत कर्मचारी पूरे दिन इधर उधर मरमत कार्य में लगे रहते हैं। इससे छुटकारा दिलाने के लिए विद्युत विभाग ने रविवार को नए विद्युत पोल और बंच डालने का कार्य शुरू कर दिया है। एसडीओ शरद प्रताप सिंह ने बताया कि नगर में 100 नए विद्युत पोल और लगभग 10 किलोमीटर नए विद्युत तारों की बंच को बदलने का कार्य शुरू हो गया है।

छाता में नए विद्युत पल लगते कर्मचारी।

कार्य पूर्ण होने पर नगर में विद्युत कटौती से लोगों को छुटकारा मिलेगा। विद्युत कर्मचारियों को बार–बार मरम्मत करने से राहत मिलेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा करने की अपील की।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष की कार पर गिरा बिजली का पोल

20 मिनट तक मौत उनके सामने खड़ी थी

लोगों के पहुंचने पर ही बिजली की आपूर्ति कराई गई बंद

घटना को लेकर पूर्व अध्यक्ष अभी भी हैं सदमे में

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष की कार पर बिजली का एक जर्जर पोल गिर गया। कार में सवार अध्यक्ष को 20 मिनट तक अपने सामने मौत नजर आई। पोल में करंट दौड़ रहा था। उन्हें अपने बचने का कोई सहारा नजर नहीं आ रहा था। फोन पर आए लोगों ने किसी तरह बिजली को बंद कराया और उन्हें कार से बाहर निकला। हाल है विद्युत अधिकारियों के उन दावों का सड़क पर लगे सभी विद्युत पोल सुरक्षित हैं। बुधवार को नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष उद्योगपति राजेश बजाज मसानी बाईपास स्थित राधा ऑर्चिड आवास से कार से कहीं जाने के लिए निकले। घर से चंद कदम की दूरी पर उनकी कार जैसे ही पहुंची सड़क किनारे खड़ा जर्जर विद्युत पोल उनकी कार के बोनट पर आकर गिर गया। जब खम्भा उनकी गांड़ी पर गिरा तो उनके होश उड़ गए। वजह थी कि बिजली के पोल में विद्युत का प्रवाह हो रहा था। राजेश बजाज करीब 20 मिनट तक गाड़ी में फंसे रहे। उन्हें अपने सामने मौत खड़ी नजर आई। उन्हें अपने बचने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही थी। वह भगवान का भजन करते रहे। हे भगवान किसी तरफ बचाओ। भय के मारे उनका दिमाग काम नहीं कर रहा था। उन्होंने एक बार फिर हिम्मत जुटाई और अपने लोगों को फोन कर अपने साथ हुई घटना के बारे में जानकारी दी। इस तरह की जानकारी मिलते ही लोगों में हड़कंप मच गया। काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गयी। नगर निगम के मेयर विनोद अग्रवाल भी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ मौके पर आ पहुंचे गए। विद्युत विभाग को सूचना दिए जाने के काफी देर बाद ही बिजली की आपूर्ति बंद की गई। इस तरह पूर्व अध्यक्ष की जान बच गई, लेकिन इस घटना के सदमे से अभी भी उनका बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने जान बचाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि खम्बा गिरासू होने की सूचना कई मर्तबा अधिशासी अभियंता और एस डी ओ को दी गयी परन्तु किसी ने कोई कार्यवाही नहीं की। घटना होने के बाद दक्षिणांचल विद्युत निगम के एम डी आईएएस नीतीश कुमार के आदेश पर विद्युत कर्मचारी घटनास्थल पर दौड़े और गिरे विद्युत पोल को हटवाया।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेश बजाज की कार पर गिरा विद्युत पोल।

डूबे युवक की 13 दिन बाद मिली लाश

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। कस्बा शेरगढ़ में गंगा दशहरा पर दो युवक स्नान करते वक्त यमुना में डूब गए थे जिस में एक को तो गोताखोरों ने बचा लिया लेकिन दूसरे युवक यमुना में पूरी तरह डूब चुका था उसकी बॉडी की खोजबीन के लिए प्रशासन ने हर तरह से प्रयास किए। एनडीआरएफ टीम ने बहुत खोज की लेकिन युवक की बॉडी का कोई पता नहीं लग सका। आज दोपहर में बॉडी को तैरता हुए देखा तो पुलिस को सूचना मिलते मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से बॉडी को बाहर निकाला। शेरगढ़ थाना उपनिरीक्षक ने बताया कि मृतक बॉडी की शिनाख्त सचिन पुत्र स्वर्गीय प्रेमचंद निवासी ग्राम पैगांव के रूप में हुई है।

थाना जैंत क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। अज्ञात चोर ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड की बाइक को ही उड़ा ले गए। होमगार्ड जवान सुरेशचंद पीआरवी 1899 पर चालक पद पर तैनात है। वह 15 जून की दोपहर 2 बजे ड्यूटी पर आया था। अपनी हीरो सी.डी. डीलक्स मोटरसाइकिल छटीकरा चौराहे स्थित स्टेट बैंक के सामने खड़ी कर गया था, लेकिन जब अगली सुबह 16 जून को ड्यूटी खत्म होने पर बाइक लेने पहुंचा, तो गाड़ी गायब मिली। सुरेश ने बाइक की आसपास काफी तलाश की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार उसे थाना जैंत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना पड़ा।

एसडीएम ने किया आरओ वाटर कूलर का उद्घाटन

वाटर कूलर का फीता काटकर उद्घाटन करती एसडीएम श्वेता सिंह व तहसीलदार रजनीश कुमार बाजपेई।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी के सौजन्य से आरओ वाटर कूलर का उद्घाटन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फीता काटकर आज बुधवार को किया। आरओ वाटर कूलर का उद्घाटन वैदिक मंत्रोच्चार व पूजा अर्चना कर उपजिलाधिकारी श्वेता सिंह व तहसीलदार रजनीश कुमार वाजपेई ने फीता काटकर किया। छाता बार के अध्यक्ष करन चौधरी ने बताया कि तहसील में आने वाले वादी, प्रतिवादी, फरियादी और क्रेता विक्रताओं की सुविधा को देखते हुए आरओ वाटर कूलर लगा है। इससे लोगों को ठंडा मीठा आरओ का पानी मिलेगा। इस मौके पर बार के सचिव केके तिवारी, मुरारीलाल पचौरी, लेखराज गौड़, सालिगराम शर्मा, विनोद तिवारी, मुकेश शर्मा, चंद्रपाल यदुवंशी, ठा. मानवेन्द्र सिंह, गौरी पाण्डेय, खेमकरन तिवारी, कोषाध्यक्ष ठा. दिगंबर सिंह, होतीलाल तिवारी, राहुल सिंह, गोपाल जादौन, विशाल, दीपक, सतीश, आदि अधिवक्ता मौजूद थें।

नाम परिवर्तन

मेरा भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी सं 562544094 में मेरा नाम राज कुमार शर्मा उर्फ राजू पुत्र पूरन लाल शर्मा दर्ज है। जबकि आधारकार्ड के अनुसार वास्तविक सही नाम छोटे लाल वैष्णव पुत्र पूरन चन्द है जो सत्य है। छोटे लाल वैष्णव पुत्र पूरन चन्द नि. लोहवन मथुरा।

रबी सीजन में होगी नौ हजार मैट्रिक टन डीएपी की डिमांड

फसल बुवाई को मिलेगा किसानों को भरपूर खाद : विवेक कौशल

एआर सहकारिता ने अभी से तैयारियां शुरू की

हर सहकारी समिति पर उपलब्ध होगी किसानों को डीएपी

यूनिक समय, मथुरा। खरीफ फसल के बाद जनपद में जुलाई माह में धान की बुवाई प्रारंभ हो जाएगी। वहीं रबी की सरसों एवं गेहूं की बुवाई अक्टूबर माह से प्रारंभ हो जाएगी। जिले के किसानों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए सहायक निबंधक (सहकारिता) विवेक कौशल ने एक कार्य योजना तैयार की है। ताकि रबी के दौरान फसलों की बुबाई में किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। जिला सहायक निबंधक सहकारिता ने बताया कि योजना के तहत 9000 मैट्रिक टन डीएपी व एनपीके खाद की डिमांड सभी सहकारी समितियों के सचिवों के साथ बैठक करके तैयार की है। ताकि रबी फसल के दौरान धान, गेंहू, जौ, मटर, सब्जी की फसल की बुवाई के दौरान किसान को पर्याप्त डीएपी खाद उपलब्ध हो सके। किसी भी क्षेत्रीय सहकारी समिति या आत्म निर्भर सहकारी समिति पर किसान हंगामा नहीं करें। उन्होंने बताया कि खाद की लक्ष्य के सापेक्ष रैक मंगाने की डिमांड अभी से भेजी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जनपद को रबी फसल के दौरान 6 हजार मैट्रिक टन डीएपी और करीब 2600 मैट्रिक टन एनपीके की डिमांड सहकारिता विभाग को भेजी गई है। उन्होंने बताया कि तीन हजार मैट्रिक टन के करीब डीएपी–एनपीके सहकारी संघ के और सोसाइटी के गोदामों पर उपलब्ध है। आने वाले दिनों में किसान धान की रोपाई करेंगे तो ऐसे में डीएपी की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने बताया कि प्रमुख रूप से उन्हीं क्षेत्रों में पहले डीएपी उर्वरक उपलब्धता कराई जाएगी। जहां ज्यादा डिमांड पहले से होती है। उन्होंने दो रैक की डिमांड भी भेज दी है। एआर कॉपरेटिव ने बताया कि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा डीएपी उर्वरक को लेकर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि किसान दानेदार डीएपी के साथ–साथ नैनो डीएपी का भी इस्तेमाल करें। जिससे उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ेगा और फसल की लागत पर भी कम आएगी।

विद्युत कटौती को लेकर संत कॉलोनी के लोगों का गुस्सा फूटा

विद्युत कटौती के विरोध में मथुरा–वृंदावन मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन की लंबी लाइन।

प्रमुख संवाददाता

मथुरा–वृंदावन मार्ग पर जाम, प्रदर्शन

वाहनों की लंबी लाइन लगी, एम्बुलेंस भी फंसी

यूनिक समय, वृंदावन। विद्युत कटौती से क्षुब्ध संत कॉलोनी के लोगों का गुस्सा आज पागल बाबा बिजली घर के सामने फूट पड़ा। महिला और पुरुषों ने मथुरा मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया। जाम में एक एम्बुलेंस भी फंसी नजर आई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर घरों को वापस लौटाया। उमस भरी गर्मी के मौसम में पिछले कई दिनों से संत कॉलोनी के लोग काफी परेशान थे। लोगों ने कई विद्युत अधिकारियों से विद्युत आपूर्ति सुचार बनाए रखने के लिए गुहार लगाई, किंतु अधिकारी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। बुधवार को दोपहर को संत कॉलोनी के लोग नारेबाजी करते हुए पागल बाबा बिजली घर पहुंचे। प्रदर्शन करते हुए वृंदावन–मथुरा मार्ग जाम कर दिया। जाम में वाहनों की लंबी लाइन लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर गुस्सा शांत किया। उसके बाद जाम में फंसे वाहनों को निकलवाया।

हादसे के बाद गौरानगर कॉलोनी के नाले पर प्रदर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। मंगलवार की रात को हुई बारिश के दौरान जल भराव की स्थिति से सड़क लबालब हो गई। इसी क्रम में गोरानगर कॉलोनी के नाले में एक बड़ा हादसा होने से बच गया। समाजसेविका डॉ. लक्ष्मी गौतम किसी परिचित के साथ बाइक पर बैठकर आ रही थी। सड़क पर पानी अधिक होने के कारण नाला दिखाई नहीं दिया। इस कारण बाइक समेत डॉ. लक्ष्मी गौतम नाले में गिर पड़ी। यह भगवान का चमत्कार रहा कि आसपास के लोग तत्काल घटना स्थल पर आ गए। उन्होंने डॉ. लक्ष्मी गौतम को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने देव दूत बनकर आए लोगों का शुक्रिया अदा कर भगवान का आभार जताया। नाले का निर्माण पूरा न किए जाने के विरोध में कॉलोनी के लोगों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पुलिस में कांस्टेबल बनने पर स्वागत

कांस्टेबल बनने के बाद जैंत गांव पहुंचे आकाश कुमार का स्वागत करते ग्रामीण।

यूनिक समय,जैंत (मथुरा)। गांव के चौक मौहल्ला निवासी आकाश कुमार पुत्र तेजसिंह उर्फ तेजा ने मेहनत करके उत्तर प्रदेश पुलिस में सफलता हासिल की। युवाओं ने ढोल बाजों के साथ स्वागत किया। बहुजन समाज पार्टी के सेक्टर अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने आकाश कुमार का स्वाफा बांध कर स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत आकाश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और कड़ी मेहनत को दिया। स्वागत करने वालों में श्याम सुंदर मास्टर, भगवान सिंह, जितेंद्र सिंह, रोहिताश राजा, अमर सिंह, राजू, रमेश चंद्र, देशपाल सिंह, विनोद कुमार, अतुल सिंह, राहुल कुमार, सुनील कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, रोहित तथा धर्मवीर आदि उपस्थित थे।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनिक बन्धु की मासिक बैठक अपर जिला अधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसमें जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल एके सिंह ने पूर्व सैनिकों, वीर नारी एवं उनके आश्रितों तथा ब्लॉक सैनिक बंधुओ से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निराकरण में हुई प्रगति की जानकारी दी। जिला विकास अधिकारी श्रीमती गरिमा खरे ने जानकारी दी कि सैनिकों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों में वीर नारी श्रीमती राजकुमारी पत्नी शहीद धर्मपाल के शहीद स्मारक हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। शहीद कुलदीप सिंह देवियां का नगला के स्मारक का सौंदर्यीकरण कराया जा चुका है। शहीद प्रथम सिंह ग्राम बारोट का सौंदर्यीकरण अगले बजट में किए जाने का आश्वासन दिया। अन्य प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को शीघ्र निराकरण किए जाने का अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने निर्देश दिया। वरिष्ठ सैनिक बंधु खेमचंद शर्मा नगेश एवं कैप्टन हरिहर शर्मा ने अपर जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया कि पूर्व सैनिकों द्वारा पार्क, सड़क आदि के नाम शहीदों के नाम पर किए जाने के प्रार्थना पत्र पर संबंधित नगर निगम मथुरा एवं नगर पंचायत गोवर्धन द्वारा अभी तक की गई उपेक्षापूर्ण कार्रवाई से पूर्व सैनिकों में निराशा है।

किसानों की भूमि अधिग्रहण के विरोध में दूसरे दिन प्रदर्शन जारी

यूनिक समय, मथुरा। जिले के नगला मोरा गांव में भारतीय किसान यूनियन (सुनील) द्वारा रेलवे के भूमि अधिग्रहण के खिलाफ चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। किसानों का आरोप है कि रेलवे अधिकारी उनकी भूमि को बिना उचित मुआवजे के अधिग्रहित कर रहे हैं। किसान एक करोड़ बीघा के हिसाब से मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। उक्त धरने में यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने बताया कि अब तक कोई रेलवे अधिकारी किसानों से मिलने नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी मनमानी कर रहे हैं और किसानों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इसलिए, 19 जून को भारतीय किसान यूनियन सुनील का एक प्रतिनिधिमंडल तहसील पहुंचकर सदर एसडीएम को मुआवजे की मांग को लेकर ज्ञापन देगा। धरने में मीना ठाकुर, वेद प्रकाश प्रजापति, भरत अग्रवाल, बबलू चौधरी, रामपाल गंगवार, रामस्वरूप मौर्य, किशन लाल, चंदन सिंह, राजीव शर्मा, तारा सिंह, सुरेश पंडित, किशन पंडित, अशोक चौधरी, मनीष चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता

प्रदीप, युवराज, तरुण, मनजीत, विशाल बने जिला चैंपियन

खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों के हाथ मिलाते अतिथि।

खेल संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला क्रीड़ा भारती के बैनर तले बीएसए कॉलेज में जिला चैंपियन खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला सचिव भूपेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार अंडर 14 बालक वर्ग में आयोजित की गई प्रतियोगिता में 32, 35, 40, 46 और 50 किलोग्राम के लगभग 150 पहलवानों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इसमें 32 कि.ग्रा में प्रदीप प्रथम, संजीव द्वितीय, देव तृतीय, 35 कि.ग्रा में युवराज प्रथम, देव गुर्जर द्वितीय, देव ठाकुर तृतीय, 40 कि. ग्रा में तरुण प्रथम, दीपक द्वितीय कन्हैया तृतीय, 46 कि.ग्रा में मंजीत प्रथम, धर्मेंद्र द्वितीय, ध्रुव तृतीय, 50 कि.ग्रा में विशाल प्रथम, योगेश द्वितीय, कृष्णा तृतीय स्थान रहे और अपने अपने भार वर्ग में खिताब अपने नाम किया विजेता खिलाड़ियों को गुर्ज, मेडल, सर्टिफिकेट और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पहले जिला अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र चौधरी, बीएसए कॉलेज के प्राचार्य ललित मोहन शर्मा, कन्हैया गुर्जर, शैलेश मिश्रा ने उद्घाटन किया। निर्णायक की भूमिका भगवान सिंह पहलवान, योगेश राठौर, निशांत शर्मा एवं सोनू पहलवान ने निभाई।

अधिशाषी अभियंता की पिटाई पर प्रदेश के इंजीनियरों में उबाल

प्रदर्शन करते इंजीनियर।

वरिष्ठ संवाददाता

धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। विगत 13 जून को आजमगढ़ के जिलाधिकारी द्वारा सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता के साथ किए गए दुर्व्यवहार और मारपीट की घटना से प्रदेश भर के इंजीनियरों में रोष व्याप्त है। इस रोष के चलते उप्र इंजीनियर्स एसोसिएशन के बैनर तले उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में अभियंताओं द्वारा धरना प्रदर्शन कर रोष जताते हुए मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। इसी क्रम में बुधवार को मथुरा कलेक्ट्रेट स्थित लोनिवि निरीक्षण भवन प्रांगण में इंजीनियर्स एसोसिएशन की स्थानीय इकाई द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में जिलाधिकारी आजमगढ़ को अखिल भारतीय सेवा से बर्खास्त किए जाने, मुकदमा दर्ज कराते हुए विधिक कार्यवाही करने एवं उनके व्यवहार एवं आचरण की जांच उच्च स्तरीय समिति से कराए जाने की मांग की गई है। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड 1 गुलवीर सिंह, सहायक अभियंता अजय कुमार, बीडी शर्मा तथा बीके शर्मा आदि उपस्थित थे।

नारियल तेल : शरीर के लिए फायदेमंद या दिल के लिए खतरनाक

यूनिक समय, नई दिल्ली। नारियल तेल भारतीय रसोई और आयुर्वेद में एक खास स्थान रखता है। यह बालों की देखभाल, त्वचा की नमी बनाए रखने और यहां तक कि संक्रमण से लड़ने में भी कारगर माना जाता है। यह तेल लॉरिक एसिड से भरपूर होता है, जो एक प्रकार का सैचुरेटेड फैट है और कई अध्ययनों में यह दिखाया गया है कि यह 'गुड कोलेस्ट्रॉल' को बढ़ा सकता है। हालांकि, यही लॉरिक एसिड यानी 'बैड कोलेस्ट्रॉल' को भी बढ़ा सकता है, जिससे हृदय संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों की राय इस विषय में बंटी हुई है। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि नारियल तेल शरीर में कोलेस्ट्रॉल का संतुलन बनाए रखता है, जबकि अन्य विशेष रूप से हृदय रोग विशेषज्ञ, इसके अत्यधिक सेवन को स्वास्थ्य के लिए

हानिकारक मानते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन नारियल तेल को एक उच्च सैचुरेटेड फैट वाला तेल मानते हैं और इसके सीमित सेवन की सिफारिश करते हैं। दिल के मरीजों के लिए विशेष सतर्कता आवश्यक है।

अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल या हृदय रोग की पारिवारिक पृष्ठभूमि है, तो नारियल तेल के स्थान पर सूरजमुखी तेल, जैतून का तेल या सरसों का तेल जैसे हेल्दी विकल्पों को अपनाना ज्यादा सुरक्षित होगा। ये तेल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स से भरपूर होते हैं जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखते हैं और दिल की सेहत को बेहतर बनाते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि नारियल तेल पूरी तरह से हानिकारक है। इसकी कुछ खास परिस्थितियों में सीमित मात्रा में उपयोग फायदेमंद हो सकता है, खासकर जब इसका उपयोग बाहरी तौर पर किया जाए जैसे त्वचा पर लगाने या बालों में लगाने के लिए। यह त्वचा को मॉइस्चराइज़ करता है, डैंड्रफ कम करता है और बालों की मजबूती बढ़ाता है। नारियल तेल के लाभ तो हैं, लेकिन जब बात दिल की सेहत की आती है तो सावधानी बरतना जरूरी है। यदि आप नारियल तेल का सेवन करना चाहते हैं तो पहले अपने चिकित्सक या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें, खासकर यदि आपको पहले से कोई हृदय संबंधी परेशानी है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सही फैट का चयन ही दीर्घकालीन स्वास्थ्य का आधार है।

चैटजीपीटी ने प्रस्तुत किए बहुत ही अनोखे मेहंदी डिजाइन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मेहंदी भारतीय संस्कृति में सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि एक पवित्र परंपरा है जिसे शुभता, प्रेम और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। खासकर शादी–ब्याह, तीज, करवा चौथ या ईद जैसे त्योहारों पर मेहंदी लगाना बेहद आम और जरूरी होता है। महिलाओं और युवतियों के लिए यह खुशी और उत्साह का खास हिस्सा बन जाता है। आज के दौर में जब हर चीज़ में क्रिएटिविटी की मांग बढ़ी है, तो मेहंदी डिज़ाइन्स में भी नए–नए प्रयोग होने लगे हैं। अब परंपरागत डिजाइनों से आगे बढ़कर लोग यूनिक और ट्रेंडी पैटर्न पसंद करते हैं। ऐसे में चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स से बने मेहंदी डिजाइन्स काफी खास माने जा रहे हैं। ये डिज़ाइन्स सिर्फ देखने में सुंदर नहीं होते, बल्कि उनमें एक खास रचनात्मकता और नवीनता देखने को मिलती है। अगर आप चाहती हैं कि आपकी मेहंदी सबसे अलग और खास लगे, तो यहां दिए गए जनरेटेड डिज़ाइन्स आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकते हैं। चाहे आपको फूल–पत्तियों से सजी क्लासिक मेहंदी पसंद हो या फिर मॉडर्न स्टाइल की फ्यूजन डिज़ाइन्स, इन तस्वीरों में हर स्वाद के लिए कुछ न कुछ जरूर मिलेगा।

क्या आप बढ़ाना चाहते हैं अपने नाखून ?

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपके नाखून जल्दी नहीं बढ़ते या बार–बार टूट जाते हैं, तो ये संकेत हो सकते हैं कि उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। नाखूनों को मजबूत और लंबा बनाने के लिए घरेलू उपाय बहुत कारगर हो सकते हैं। सबसे पहले, रोजाना नारियल तेल से नाखूनों की हल्के हाथों से मालिश करें। इससे नाखूनों में नमी बनी रहती है, वे मुलायम रहते हैं और टूटने से बचते हैं। नारियल तेल की जगह ऑलिव ऑयल का भी उपयोग किया जा सकता है, यह भी नाखूनों को पोषण देता है। इसके अलावा, लहसुन नाखूनों के लिए एक असरदार प्राकृतिक उपाय है। रोजाना लहसुन की 1–2 कलियां लेकर उन्हें नाखूनों पर हल्के से रगड़ें। इसमें मौजूद सल्फर कंपाउंड नाखूनों को अंदर से मजबूत बनाते हैं और उनकी ग्रोथ में मदद करते हैं। नींबू का रस भी नेल्स की सफाई और ग्रोथ के लिए बहुत फायदेमंद है। नींबू में मौजूद विटामिन सी नाखूनों को

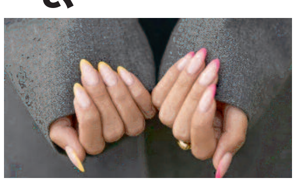

चमकदार और मजबूत बनाता है। कॉटन की मदद से नाखूनों पर नींबू का रस लगाएं और कुछ मिनट बाद धो लें। अगर नींबू उपलब्ध नहीं हो तो संतरे का रस भी एक अच्छा विकल्प है। वैसलीन नाखूनों को मॉइश्चराइज़ करने और मुलायम बनाए रखने के लिए बेहद उपयोगी है। रात को सोने से पहले नेल्स पर वैसलीन लगाएं और छोड़ दें। इससे नाखूनों की सेहत में कुछ ही दिनों में सुधार नजर आने लगेगा। इसके साथ ही टूथपेस्ट भी नाखूनों को साफ, मजबूत और तेजी से बढ़ाने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से नाखूनों पर हल्का–सा टूथपेस्ट लगाकर कुछ मिनट मसाज करें, फिर धो लें। इससे नाखूनों में मजबूती और चमक दोनों आती है।

रोज़ाना ब्लैक टी के सेवन से कम होता है मौत का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप केवल स्वाद या आदत के तौर पर ब्लैक कॉफी या ब्लैक टी का सेवन करते हैं, तो आपके लिए एक राहत भरी खबर है। एक ताज़ा अध्ययन में यह सामने आया है कि नियमित रूप से ब्लैक कॉफी या चाय पीने से मृत्यु का खतरा काफी हद तक घट जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना 1 से 2 कप ब्लैक कॉफी पीने वालों में मृत्यु की आशंका लगभग 14 प्रतिशत तक कम देखी गई है। वहीं, 2 से 3 कप ब्लैक टी का सेवन करने से समय से पहले मृत्यु होने का जोखिम करीब 17 प्रतिशत तक घट जाता है। हालांकि, शोध में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर कॉफी या चाय में दूध और अधिक मात्रा में चीनी मिलाई जाए तो इन लाभों में भारी कमी आ जाती है। विशेषकर यदि कॉफी में सैचुरेटेड फैट यानी उच्च वसा वाले डेयरी उत्पाद मिलाए जाएं, तो स्वास्थ्य पर लाभकारी प्रभाव कम हो सकता है। यह अध्ययन अमेरिका की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के

शोधकर्ताओं द्वारा किया गया और "द जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन" में प्रकाशित हुआ है। वरिष्ठ लेखिका और शोधकर्ता फैंग फैंग झांग के अनुसार, ब्लैक कॉफी में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इसी वजह से यह हृदय रोग, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने में मददगार साबित होती है। शोधकर्ताओं ने 1999 से 2018 के बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं पोषण सर्वेक्षण के नौ चक्रों का विश्लेषण किया, जिसमें 46,000 से अधिक वयस्कों की जीवनशैली और मृत्यु से संबंधित आंकड़ों का अध्ययन किया गया। निष्कर्ष यह निकला कि सीमित मात्रा में ब्लैक कॉफी और ब्लैक टी के सेवन से मृत्यु का जोखिम काफी हद तक घटाया जा सकता है।

केला खाने के बाद ये काम भूलकर भी न करें

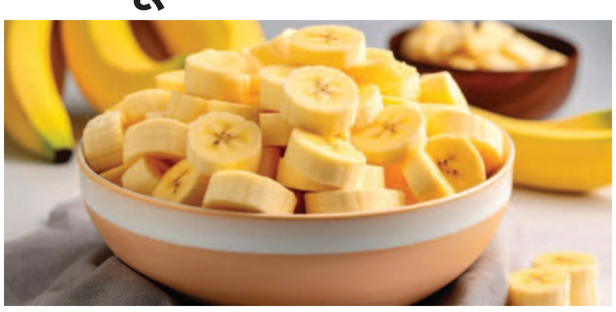

यूनिक समय, मथुरा । केला एक बेहद सामान्य लेकिन अत्यंत पोषक फल है जो साल भर बाजार में आसानी से मिल जाता है। इसकी खासियत यह है कि यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें पोटैशियम, विटामिन बी6, विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना एक केला खाने से न केवल शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है, बल्कि यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने और दिल को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। यही वजह है कि इसे सुपरफूड की श्रेणी में रखा जाता है। हालांकि केला बेहद लाभकारी है, लेकिन इसका सेवन सही समय और तरीके से करना बेहद ज़रूरी है। आयुर्वेद के अनुसार केला खाने के तुरंत बाद पानी पीना हानिकारक हो सकता है। केले में प्राकृतिक शर्करा और स्टार्च होता है, जो पचने में समय लेता है। ऐसे में यदि आप केला खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं तो यह पाचन प्रक्रिया को बाधित कर सकता है, जिससे गैस, एसिडिटी, कब्ज और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, इससे सर्दी–जुकाम और एलर्जी का खतरा भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि फलों के सेवन के कम से कम 1 घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। साथ ही, केले के साथ कुछ खाद्य पदार्थों का संयोजन भी नुकसानदायक हो सकता है। जैसे केले के साथ दूध, दही, छाछ या शहद का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। वहीं केला और अंडा एक साथ खाना भी आयुर्वेद में मना किया गया है क्योंकि इनकी प्रकृति विपरीत होती है और यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

चिनाब ब्रिज के सफर को यादगार बनाएं इन 5 स्वर्ग जैसी जगहों के साथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब ब्रिज अब आम लोगों के लिए भी खुल चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक पुल का उद्घाटन किया और तिरंगा लहराते हुए खुद इस ब्रिज पर वॉक भी किया। यह ब्रिज भारत की इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है, जो जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बनाया गया है। अगर आप भी इस पुल की भव्यता को नजदीक से देखने का मन बना रहे हैं, तो यह यात्रा और भी खास हो सकती है अगर आप इसके आसपास की कुछ और शानदार जगहों को भी अपने सफर में शामिल करें।

डोडा: चिनाब नदी के किनारे बसा डोडा एक छोटा लेकिन बेहद शांत और मनोहारी शहर है। यहां की हरियाली, पहाड़ी रास्ते और साफ वातावरण आत्मा को सुकून देते हैं। अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो यहां रिवर राफ्टिंग और ट्रैकिंग जैसी एक्टिविटीज़ का आनंद ले सकते हैं। डोडा प्रकृति प्रेमियों के लिए एक छुपा हुआ रत्न है।

भद्रवाह : भद्रवाह को अक्सर 'मिनी कश्मीर' कहा जाता है और इसका कारण है यहां की वादियां, फूलों से भरी घाटियां और नीली पहाड़ीयों से घिरी खूबसूरत वादी। यह जगह ट्रैकिंग और कैंपिंग के लिए जानी जाती है। खासतौर पर जई घाटी, चेराला और सीरी नदी के किनारे घूमना एक अलौकिक अनुभव होता है। ट्रैकिंग के शौकीनों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं।

कटरा और वैष्णो देवी : चिनाब ब्रिज से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित कटरा, प्रसिद्ध वैष्णो देवी मंदिर का आधार स्थल है। यह धार्मिक स्थल न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि पहाड़ों के बीच बसा यह शहर प्रकृति की गोद में भी एक सुंदर विश्रामस्थल जैसा है। चिनाब ब्रिज की यात्रा को एक आध्यात्मिक मोड़ देने के लिए वैष्णो देवी ज़रूर जाएं।

शिवखोरी गुफा: शिव भक्तों के लिए शिवखोरी एक अत्यंत पवित्र स्थान है। यह गुफा भगवान शिव को समर्पित है और हर साल हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। चिनाब ब्रिज से यह गुफा लगभग 70 किलोमीटर दूर है। यह स्थान न सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि गुफा के भीतर की प्राकृतिक संरचना भी दर्शनीय है।

पटनीटॉप : अगर आप किसी ठंडी और हरी–भरी जगह की तलाश में हैं, तो पटनीटॉप आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह एक लोकप्रिय हिल स्टेशन है जो देवदार के जंगलों, खुले आकाश और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। बर्फबारी, पैराग्लाइडिंग और ट्रैकिंग जैसी गतिविधियों के लिए यह जगह शानदार है।

अगर आप चिनाब ब्रिज देखने जा रहे हैं, तो इन जगहों को अपने ट्रैवल लिस्ट में जरूर जोड़ें। यह यात्रा सिर्फ एक पुल देखने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एक यादगार अनुभव बन जाएगी।

सुविचार

आपके विचार आपके व्यक्ति पर प्रभाव डालते हैं, उन्हें शुद्ध रखें।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	11:55-09:49 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	12:23-11:16 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:45 AM	चन्द्रोदय	12:29 AM
सूर्यास्त		7:10 PM	चंद्रास्त	12:56 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त	12:01AM –12:55 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:09-04:57
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	02:08PM–03:49PM		वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

चंदन के इन उपायों से चमक जाएगी आपकी किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में चंदन का अधिक महत्व होता है। बता दें कि चंदन का काम शीतलता प्रदान करना होता है। वहीं चंदन का संबंध गुरु ग्रह से होता है। ज्योतिष में चंदन के कुछ आसान उपायों के बारे में बताया गया है। जिनकी मदद से व्यक्ति जीवन की समस्याओं से निजात पा सकता है।

हिंदू धर्म में चदंन का काफी महत्व माना जाता है। चंदन को बेहद पवित्र माना जाता है। अक्सर पूजा–पाठ में चंदन का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में चंदन के महत्व के बारे में भी बताया गया है। ज्योतिष एक्सपर्ट्स की मानें तो चंदन के कुछ आसान उपायों को करने से व्यक्ति को जीवन की तमाम परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है। यह व्यक्ति को अनेक तरह से लाभ पहुंचा सकता है।

चंदन शीतल होता है और चंदन के उपायों से व्यक्ति के ग्रह दोषों को दूर किया जा सकता है। कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए चंदन का उपाय किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति पीले कपड़े में चंदन बांधकर घर की पूर्व दिशा में लटकाता है। तो घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। अशोक के पेड़ की जड़ में चंदन का टीका लगाने और उसकी पूजा करने से घर की समस्याओं का नाश होता है। ज्योतिष के अनुसार, यदि घर के मुख्य द्वार पर चंदन को किसी कपड़े की पोटली में बांधकर टांग दिया जाए। तो ऐसे घर में सुख–समृद्धि का वास होता है। वहीं वैवाहिक जीवन में मधुरता और प्रेम बनाए रखने के लिए चंदन को पोटली में बांधकर बेडरूम में बिस्तर के नीचे रखना चाहिए। मां लक्ष्मी को लाल चंदन चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में धन–धान्य व सुख–समृद्धि आती है।

श्री कृष्ण को गंगाजल में चंदन मिलाकर अर्ध्य देने से व्यक्ति का भाग्य मजबूत होता है। चंदन में फिटकरी मिलाकर उसे कमर पर बांधने से व्यक्ति का स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके साथ ही व्यक्तित्व का दोष भी दूर होता है। प्रतिदिन पूजा–अर्चना करने के बाद माथे पर चंदन का तिलक लगाना चाहिए। ऐसा करने से गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। जिस घर में प्रतिदिन चंदन की छला का धुआं किया जाता है।

वह घर व सदस्य नजर दोष से दूर रहते हैं। इसके अलावा अप्रिय घटनाओं से भी रक्षा होती है। अगर आपने भी अपने घर के मंदिर में श्रीयंत्र की स्थापना की है। तो यंत्र पर रोजना चंदन से तिलक करने से व्यक्ति के जीवन के कष्ट कम होते हैं। नौकरी की जगह पर यदि कोई व्यक्ति चंदन के पानी का छिड़काव करता है, तो ऐसा व्यक्ति जीवन में तरक्की करने के साथ ही उसकी आय में वृद्धि होती है।

पूजा के दौरान दीपक की लो में फूल बनने का ये मतलब

यूनिक समय, मथुरा। दीपक की लो में फूल बनने का मतलब है कि आपकी पूजा आपके ईष्टदेव तक पहुंच रही है। यानि इस प्रकार दीपक की लो में अगर फूल बनता है तो ये आपकी पूजा आपके ईष्ट तक पहुंचने का संकेत है और उनकी कृपा दृष्टि आपके ऊपर जरूर बनेगी।

वो किसी ना किसी रुप में, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपके साथ हैं और आपके कार्यों में आपकी सहायता कर रहे हैं और आपके हर कार्य को बना रहे हैं।

आपकी परेशानी का कारण

वहीं अनेक लोग सोचते हैं कि मेरी पूजा के दौरान दीपक में ऐसी ही लो बन रही है और मैं फिर भी परेशान हूं।

आपकी परेशानी का कारण ये है कि आप कहीं ना कहीं उस ईष्ट को मानने में कमी महसूस करते हैं। आप उनकी और भक्ति करोगे या उनको समर्पित हो जाओगे तो आपके सारे काम बनने लगेंगे। आप काम नहीं कर रहे हैं, आपके मन में गलत सी धारणा है, कि जो काम हो रहे हैं वो मेरी वजह से हो रहे हैं या किसी और की वजह से।

भगवान करते हैं आपकी मदद

अगर दीपक में ऐसा फूल बनता है तो आपको समझ जाना चाहिए कि उस देवी या देवता की कृपा आपके ऊपर हो रही है और आपकी जो पूजा है वह उन तक पहुंच रही है। ये सबसे बड़ा संकेत है कि, पूजा के नियमों के साथ अगर आप पूजा को पूर्णरूप से और भक्ति भाव से करते हो, हालांकि साधनाओं में ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन भक्ति मार्ग में ऐसा होता है कि बहुत सारे लोगों की पूजा भगवान तक पहुंचती है और उनकी ख्वाइशें भी पूरी होती हैं, उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उनके घर से दुख, क्लेश सब मिट जाता है। किसी भी प्रकार का लड़ाई–झगड़ा घर में नहीं रहता। स्वतः ही भगवान खुद प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में उनकी सहायता करते हैं।

क्या करें : अगर ऐसा आपके साथ होता है और आपके दीपक में भी ऐसा ही फूल बनता है तो आपको धर्म और पुण्य का काम करना चाहिए। आपको गाय को चारा आदि खिलाना चाहिए। आपको कुत्तों और जानवरों को बिस्किट–रोटी खिलानी चाहिए। आपको कबूतरों और पक्षियों को दाना डालना चाहिए। इससे आपको और सकारात्मक फल देखने को मिलेंगे।

घर या ऑफिस की इस दिशा में करें पीलें रंग के मार्बल का इस्तेमाल

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में हम आपको घर के नैऋत्य कोण, यानी दक्षिण–पश्चिम दिशा में फ्लोर के कलर के बारे में बताएंगे। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर हो या ऑफिस, इनके दक्षिण–पश्चिम हिस्से में येलो कलर के स्टोन, यानि पीले रंग के मार्बल का चुनाव करना अच्छा माना जाता है।

अगर आप पूरे फर्श पर येलो स्टोन न लगवाना चाहें, तो आप इस दिशा के थोड़े से हिस्से में येलो स्टोन, यानी पीले रंग का पत्थर लगाकर भी इस दिशा से संबंधित शुभ फलों की प्राप्ति कर सकते हैं। वास्तु के मुताबिक, ऐसा करने से घर या ऑफिस में कभी

किसी चीज की कमी नहीं होती है। सभी चीजों में स्थिरता बनी रहती है। साथ हीघर में माता का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। अगर आपके घर की दिवारों का रंग बहुत गहरा है तो आपको अपने घर के फर्श के लिए

फिर नहीं होगी किसी चीज की कमी

व्हाइट या ऑफ व्हाइट मार्बल या पत्थर का चुनाव करना चाहिए। इससे घर में किसी तरह का नुकसान नहीं होता है। वास्तु शास्त्र की माने तो घर में फर्श पर ज्यादा गहरे या चटकीले प्रिंट वाले कार्पेट का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ता है और घर की सुख–शांति में भी बाधा आती है।

मांगलिक दोष से बचने के लिए करें ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। किसी भी जातक के जीवन में होने वाली घटनाएं, उतार–चढ़ाव, उसके कुंडली में मौजूद ग्रह–नक्षत्रों पर आधारित होता है। वहीं ज्योतिष की मानें, तो कुंडली में मौजूद सभी ग्रह का अपना अलग स्थान होता है, जिससे उसे शुभ फल और अशुभ फल की प्राप्ति होती है। लेकिन कभी–कभी ऐसा भी होता है, कि कुंडली में ग्रह की ही खराब हो जाए, तो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, अगर बात करें कुंडली में मंगल दिशा खराब होने की तो ये लेख आपके लिए ही है।

ज्योतिष के हिसाब से किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल ग्रह जब भी पहले, चौथे, सातवें, आठवें औप बारहवें भाव में स्थित होता है, तो मांगलिक दोष का निर्माण करता है। ये दांपत्य जीवन के लिए बेहद ही अशुभ मानी जाती है। लेकिन अगर मंगल पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि पड़े, तो मंगल दोष के प्रभाव से छुटकारा मिलता

है।

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष होता है, तो ऐसे व्यक्ति के विवाह में बहुत देरी होती है, शादी टूटने की संभावना रहती है, लेकिन अगर आपका विवाह हो गया है, तो जीवनसाथी से तालमेल अच्छा नहीं बैठता है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसा बताया गया है कि कुंडली के सातवें भाव को वैवाहिक जीवन का माना जाता है और इस भाव में मंगल के रहने से अशुभ घटनाएं होने की संभावना रहती है। मंगल की ऐसी स्थिति हने से पति–पत्नी के बीच तनाव, टकरार, तलाक आदि का कारण भी बनने लग जाता है। साथ ही व्यक्ति के ऊपर कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है, साथ ही प्रॉपर्टी संबंधित समस्याएं भी आने लग जाती है।

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष है, तो ऐसे व्यक्ति को विवाह के पहले ही कुंडली मिलन कराना बहुत ही जरूरी माना जाता है। हर मंगलवार के दिन व्रत रखें और हनुमान मंदिर में बूंदी का प्रसाद बांटें। मांगलिक दोष के प्रभाव से बचने के लिए मंगल ग्रह शांति का उपाय जरूर करें। मंगलवार के दिन पूजा के समय हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें। इस दिन अगर संभव हो , तो मंगलवार के दिन लाल कपड़े ही पहनें और हनुमनजी के मंदिर में लाल सिंदूर अर्पित करें। मंगल की शांति पाने के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष या फिर मूंगा पहनें। साथ ही अपने ज्योतिष का सलाह अवश्य लें।

आज का वास्तु टिप्स

मुख्य द्वार को हमेशा साफ और सजावटी रखें। मुख्य द्वार घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का स्थान होता है। वहां रोज़ तोरण (मॉली, आम या अशोक के पत्ते) लगाना शुभ माना जाता है। **सुझाव:** दरवाज़े के दोनों ओर स्वास्तिक या ॐ का चिन्ह बनाएं। इससे सुख–समृद्धि बनी रहती है।

सम्पादकीय

अवैध खनन पर बेबस प्रशासन

एक तस्वीर ही सच्चाई बयां करने के लिए काफी होती है, और अवैध खनन के मामले इसका ज्वलंत उदाहरण हैं। देश के विभिन्न राज्यों में खनन माफिया का दुस्साहस किसी से छिपा नहीं है। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कोठरी नदी के पास मिट्टी के अंधाधुंध दोहन ने हाईटेंशन विद्युत लाइन तक को खतरे में डाल दिया। स्थिति इतनी गंभीर है कि खननकर्ता टावर के ठीक नीचे से भी मिट्टी निकालने से नहीं हिचके।

मध्य प्रदेश के चंबल किनारे अवैध रेत खनन की तस्वीरें सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ाने के लिए काफी हैं। आदेश तो खनन रोकने के होते हैं, लेकिन माफिया इसके उलट वाहनों की संख्या बढ़ाकर परिवहन तेज कर देते हैं। छत्तीसगढ़ में हाल ही में एक आरक्षक को रेत माफिया ने ट्रॉली से कुचल कर मार डाला। बिलासपुर की अरपा नदी हो या महानदी, हर ओर रेत की अवैध खुदाई जारी है।

पवन गौतम
संपादक

यह हालात केवल एक या दो राज्यों तक सीमित नहीं हैं। देशभर में लगभग हर राज्य में खनन माफिया का दबदबा नजर आता है। सवाल उठता है कि प्रशासनिक तंत्र आखिर कब जागेगा? रेत और मिट्टी के इस अवैध कारोबार में मिलीभगत इतनी गहरी है कि कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। माफिया को पहले ही प्रशासनिक कार्रवाई की भनक लग जाती है, और कार्रवाई की आड़ में मजदूरों को पकड़कर खानापूर्ति कर ली जाती है।

बारिश का मौसम आते ही नदियों के किनारे रेत के विशाल भंडार नजर आने लगते हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं कि मानसून में रेत को ऊंचे दामों पर बेचने की पूरी तैयारी है। यह भी स्पष्ट है कि यह कारोबार बिना राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक सहमति के संभव नहीं। कुछ मामलों में नेताओं की सीधी भूमिका तक सामने आ चुकी है।

यह विडंबना ही है कि जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए, प्रशासन हरकत में नहीं आता। लेकिन यदि खनन को नियमबद्ध तरीके से नियंत्रित किया जाए, तो न केवल हादसे रोके जा सकते हैं, बल्कि सरकारी राजस्व में भी भारी इजाफा संभव है।

जरूरत है सख्त कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और ईमानदार निगरानी व्यवस्था की। जब तक दोषियों को वास्तविक सजा नहीं मिलती, तब तक यह खेल यूं ही चलता रहेगा और हमारी नदियां, संसाधन तथा कानून सब माफिया की मुट्ठी में जकड़े रहेंगे।

नजरिया

जी–7 शिखर सम्मेलन कनाडा में भारत की नसीहत के वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, "वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।"जी–7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ग्लोबल साउथ के हिमायती भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद, व्यापार और विकास जैसे अहम वैश्विक मुद्दों पर दुनिया के प्रमुख नेताओं के साथ बातचीत के दौरान जो नसीहत दी, उसके वैश्विक मायने खास हैं और उन्हें समझने–समझाने की भी जरूरत है, ताकि भारत के मतदाताओं में अपने अंतरराष्ट्रीय हितों के प्रति भी जागरूकता पनपे और बढ़े। बता दें कि कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी–7 आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दोहराया और इस वैश्विक खतरे के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि "आतंक समर्थक देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी" उनका इशारा अमेरिका, कनाडा, जापान, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूरोपीय संघ के उन देशों की तरफ था जो अमेरिकी अगुवाई में लोकतंत्र की बात तो करते हैं, लेकिन आतंकवादी समर्थक देशों को भी वित्तीय मदद देते व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दिलवाते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, "वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।" उन्होंने यहां तक कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कार्रवाई में दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की पक्षपाती भूमिका पर भी सवाल खड़े दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि, "एक ओर हम अपनी पसंद के अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध जल्दी से लगा देते हैं, वहीं दूसरी ओर जो देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। यह दोहरी नीति बंद होनी चाहिए।" समझा जाता है कि पीएम मोदी का इशारा पाकिस्तान की तरफ था, जिसे अमेरिका–चीन दोनों का सहयोग व समर्थन हासिल है। यह भारत के लिए चिंता की बात है, क्योंकि वह भारत में आतंकवाद व अन्य खुराफातों को बढ़ावा देता है। भारत को टुकड़े करने के स्वप्न देखता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि, "प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया और पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की निंदा करने के लिए नेताओं का आभार जताया। उन्होंने आतंकवाद को बढ़ावा देने और समर्थन देने वालों के खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।" साथ ही पीएम मोदी ने जी–7 मंच से ग्लोबल साउथ के मुद्दे भी उठाए।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। प्रधानमंत्री ने जी–7 नेताओं

के साथ अपनी बातचीत को "उत्पादक" बताया और कहा कि चर्चा वैश्विक चुनौतियों और बेहतर भविष्य की आशाओं पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 'ग्लोबल साउथ' की चिंताओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान दिए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को वैश्विक मंच पर पहुंचाना अपनी जिम्मेदारी समझता है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों के संदर्भ में किया जाता है। उल्लेखनीय है कि 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी–7) दुनिया की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं– फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली और कनाडा तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसके सदस्य वैश्विक आर्थिक और भू–राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए हर साल जी–7 शिखर सम्मेलन में मिलते हैं। हालांकि हैरत की बात तो यह है कि इसमें दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन, चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत और दूसरी सैन्य महाशक्ति रूस को जगह नहीं दी गई है। कोढ़ में खाज यह कि इसमें रूस को पुनः शामिल किए जाने, चीन को भी लाने की जरूरत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ ने समझी, लेकिन भारत के विषय में चर्चा तक नहीं की। इससे उनकी पक्षपाती और भितरघाती मनोदशा का पता चलता है।

ऐसा इसलिए कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में आशातीत उन्नति की और रूस का भरोसेमंद वैश्विक पार्टनर बना रहा। चूंकि भारत अमेरिकी इशारे पर चीन से नहीं उलझा, इसलिए वह अब अमेरिका के किसी काम का नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि भारत को देखते हुए इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली जैसे यूरोपीय संघ के देश भी अब अमेरिका को ज्यादा भाव नहीं देते। इजरायल व जापान भी इसी राह पर है, क्योंकि सबको भारत या चीन के रूप में एक मजबूत विकल्प मिल रहा है। यही वजह है कि अमेरिका अब पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत को घायल करने की नीति पर चल रहा है, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद, ताकि चीन भी उससे प्रसन्न रहे। वहीं, भारत के प्रधानमंत्री मोदी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की परिवर्तित मानसिकता को समझ चुके हैं। इधर, मोदी के कनाडा पहुंचते ही ट्रंफ के वहां से निकल जाने के भी मायने तलाशे जा रहे हैं। यही वजह है कि शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी ने कई द्विपक्षीय मुलाकातें भी कीं। साथ ही, अमेरिका के आग्रह पर फोन पर ट्रम्फ से बातचीत करते हुए भारत के मामले में मध्यस्थता करने के उनके सपने को जोर का झटका धीरे से दिया। वहीं, अचानक अमेरिका पहुंचने से इनकार करते हुए उन्हें ही भारत के लिए आमंत्रित कर डाला। वो भी उसी क्वाड की बैठक के लिए, जिसमें भारत की अरूचि जगजाहिर है।

इसके अलावा, उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे–म्युंग, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बानीज के साथ मुलाकात की। इन बैठकों में व्यापारिक सहयोग, निवेश बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने ठीक ही कहा है कि, ''उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य, स्वीकार्यता के मूलभूत सिद्धांतों पर आगे बढ़ते हुए भारत ने समावेशी विकास का मार्ग चुना है।'' जायसवाल ने भी बताया कि मोदी ने अपने संबोधन में एक स्थायी एवं हरित मार्ग के माध्यम से सभी के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इस उद्देश्य की दिशा में भारत की वैश्विक पहलों जैसे कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के बारे में विस्तार से बताया। वहीं, मोदी ने ठीक ही कहा कि, ''एआई (कृत्रिम मेधा) अपने आप में एक ऐसी प्रौद्योगिकी है जिसके लिए बहुत ऊर्जा की आवश्यकता है। अगर प्रौद्योगिकी–संचालित समाज की ऊर्जा आवश्यकताओं को स्थायी रूप से पूरा करने का कोई तरीका है तो वह नवीनीकृत ऊर्जा के माध्यम से ही है।'' उन्होंने ठीक ही कहा कि पिछली सदी में ऊर्जा के लिए प्रतिस्पर्धा थी लेकिन इस सदी में ''हमें प्रौद्योगिकी के लिए सहयोग करना होगा।'' मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'डीप–फेक' बड़ी चिंता का विषय है इसलिए एआई की मदद से बनाई गई सामग्री पर स्पष्ट घोषणा अंकित होनी चाहिए कि यह कृत्रिम मेधा की मदद से बनाई गई है। तस्वीर या वीडियो में किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर को डिजिटल रूप से बदलने की प्रौद्योगिकी को 'डीपफेक' कहते हैं। 'मशीन लर्निंग' और एआई से बने ये वीडियो और तस्वीरें असली जैसी नजर आती हैं और कोई भी व्यक्ति इन्हें देखकर धोखा खा सकता है। खास बात यह है कि भारत और कनाडा के बीच कुछ समय से चले आ रहे राजनयिक तनाव को समाप्त करने की दिशा में भी एक सकारात्मक पहल हुई। दोनों देशों ने नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति पर सहमति जताई, जिससे वीजा, वाणिज्य और अन्य सेवाएं सामान्य हो सकेंगी। इसे जी–7 सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखी जा रही है, जहां भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और विकासशील देशों की आवाज को बुलंद किया। प्रधानमंत्री मोदी कनाडा की अपनी सार्थक यात्रा के बाद क्रोएशिया रवाना हो गए हैं, जो तीन देशों की उनकी यात्रा का तीसरा और अंतिम पड़ाव है। जाहिर है कि जी–7 शिखर सम्मेलन कनाडा में भारत की नसीहत के वैश्विक मायने स्पष्ट हैं, जिससे अमेरिका व यूरोपीय देशों ने सबक नहीं ली तो वैश्विक मुस्लिम चक्रव्यूह में घिरने और पीटने से उन्हें कोई नहीं रोक पाएगा। क्योंकि रूस–चीन–उत्तरी कोरिया इसका ब्लूप्रिंट तैयार कर चुके हैं। भारत की मूक सहमति मिलते ही बज्रपात शुरू हो सकती है। वहीं, अमेरिका की योजना ईरान के बाद भारत को बर्बाद करने की है, क्योंकि उसकी पहलगाम फितरत औंधे मुंह गिरी है। इसलिए इजरायल को आगे करके अमेरिका एक नया प्रयोग कर रहा है, जिससे भी मोदी प्रशासन सजग प्रतीत होता है।

विचार विण्डो

संवाद से समाधान है अहिंसक क्रांति का शंखनाद

देवेन्द्र ब्रह्मचारी

आदि तीर्थंकर ऋषभ की परम्परा के ही अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज के पूजनीय है। महावीर की शिक्षाओं की उपादेयता सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, दुनिया के तमाम लोगों ने इनके जीवन एवं विचारों से प्रेरणा ली है।

लंबे समय से दुनिया में युद्ध का माहौल बना हुआ है। रूस–यूक्रेन, इजरायल–हमास और अब इजरायल–ईरान के बीच विनाशकारी युद्ध के साथ–साथ परमाणु युद्ध की संभावनाओं ने मनुष्य जीवन के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा दिये हैं। देश और दुनिया का जीवन जहां हिंसा, युद्ध और आतंकवाद के सूली पर चढ़ा हुआ है, वहीं विकृतियां एवं विसंगतियां के कोहराम में जीवन मूल्य, आस्था और अहिंसा दम तोड़ रही है। इन विषम स्थितियों में प्रश्न है कि मानवता को बचाने के लिए कौन आगे आएगा? कौन मानवता के लिए त्राण बनेगा? कौन विध्वंस और विनाश से बचायेगा? इन संकटकालीन स्थितियों में एक रोशनी है भगवान महावीर। इन जटिल से जटिलतर होते हुए माहौल में भगवान महावीर के अहिंसा एवं शांति संदेश को देश और दुनिया में पहुंचाने के लिए महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में 'संवाद से समाधान' एक परिचर्चा की शृंखला प्रारंभ की गयी है, जिसके अंतर्गत 23 जून 2025 को आर्थिक राजधानी मुंबई में एक अहिंसा का शंखनाद होने जा रहा है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस विशिष्ट अतिथि होंगे। जैन श्रद्धालु बड़ी संख्या में तीर्थंकर भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर समाज, राष्ट्र एवं दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्यरत होने के लिए संकल्पित होंगे।

आदि तीर्थंकर ऋषभ की परम्परा के ही अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज के पूजनीय है। महावीर की शिक्षाओं की उपादेयता सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, दुनिया के तमाम लोगों ने इनके जीवन एवं विचारों से प्रेरणा ली है। सत्य, अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह ऐसे सिद्धान्त हैं, जो हमेशा स्वीकार्य रहेंगे और विश्व मानवता को प्रेरणा देते रहेंगे। महावीर का संपूर्ण जीवन मानवता के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों–लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। इसलिए महावीर का धर्म एवं दर्शन आज के हिंसा, युद्ध, आतंक एवं आर्थिक विषमता के दौर में ज्यादा जरूरी है। समय के आकाश पर आज अनगिनत प्रश्नों का कोलाहल है। महावीर ने जो उपदेश दिया हम उसे आचरण में क्यों नहीं उतार पाए? मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था और विश्वास कमजोर क्यों पड़ा? ये ऐसे प्रश्न हैं जो हमारे जीवन को जटिल और समस्याग्रस्त बना रहे हैं। मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है।

भगवान महावीर के कालजयी सिद्धांत 'जीयो और जीने दो' तथा भारतीय मनीषा के मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आलोक में समकालीन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय युद्ध, आतंकवाद एवं हिंसा की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के साथ–साथ सामाजिक और मानवीय मुद्दों पर गहन विचार–विमर्श–महामंथन का यह एक अनुष्ठान है, विमर्श–कुंभ है। जिससे युद्ध के माहौल में अयुद्ध, हिंसा नहीं अहिंसा, अमानवीयता नहीं मानवीयता का संदेश दिया जाएगा। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज की समस्याओं का समाधान आज प्रस्तुत करने के ध्येय के साथ 'संवाद से समाधान' कार्यक्रमों की शृंखला प्रारंभ की गयी है। अस्तित्व को पहचानने, दूसरों के अस्तित्वों से जुड़ने, सामाजिक पहचान बनाने, अपने अस्तित्व को समाज, देश और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने के लिए यह विशिष्ट उपक्रम अस्तित्व

में आया है। जिसके साथ देश और दुनिया की सकारात्मक और अहिंसात्मक शक्तियों को जोड़ा गया है। समाज में नई मूल्यों की स्थापना कर उसे सुंदर शक्ल देने की जिम्मेदारी इस उपक्रम पर है। आम आदमी कोई बड़ी लकीर नहीं खींच सकता। वह निर्धारित नीतियों पर चल सकता है, पर कुछ नया करने का साहस उसमें नहीं होता है। इसी दृष्टि से यह आवश्यक प्रतीत होता है कि देश और दुनिया की सकारात्मक शक्तियां एकत्रित होकर सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और वैश्विक स्थितियों और मूल्यों के विषय में चिंतन करे और आने वाली पीढ़ी के लिए ठोस धरातल का निर्माण करे। इस दृष्टि से भगवान महावीर का दर्शन सर्वाधिक कारगर और उपयोगी है।

'संवाद से समाधान' का मुख्य उद्देश्य महावीर के संदेशों को देश और दुनिया में पहुंचाना एवं देश और दुनिया की जटिल समस्याओं से निपटने का प्रयास करना है। युगीन मनोरचना में अनुशासन के स्थान पर स्वच्छंदता, त्याग के स्थान पर भोगवाद, संयम के स्थान असंयम, अहिंसा के स्थान पर हिंसा अधिक सक्रिय है। ऐसी स्थितियों में सकारात्मक शक्तियां किस तरह से सामाजिक अनुशासन, अहिंसा, संयम में अपना योगदान दे सकती है? इन शक्तियों को विनयजीवी बनना होगा। वे महावीर मनीषा तक पहुंचकर नई दृष्टि प्राप्त करे। वे इस बात को समझें कि अक्षर के बिना भी अक्षय की साधना हो सकती है। शब्दों की सिद्धि के बिना शब्द भी व्यर्थ हो जाते हैं। देश की युवापीढ़ी को बुद्धि के साथ करुणा, अहिंसा एवं शांति की लोकयात्रा के लिए आगे बढ़ाना है।

युग की समस्याओं के लिए महावीर ही क्यों? भगवान महावीर में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और संयम के सभी तत्वों का समाहार है। महावीर ऐसा शब्द है जो अखण्ड व्यक्तित्व का प्रतीक है। 'संवाद से समाधान' के रूप में जो अभियान शुरू हो रहा है वह अखण्ड व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। वह अहिंसक और शांति प्रिय मनुष्य के निम्राण की योजना है। वह आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण की योजना है। खण्डित व्यक्तित्व समस्याएं पैदा करता है। बुद्धि निर्माणकारी ही नहीं विध्वंसक भी है। बुद्धि के साथ नेगेटिव एटीच्यूड जुड़ने से खतरे ज्यादा बढ़ गये हैं। बुद्धि के साथ भावनात्मक विकास हो तो वह कामधेनु बन सकती है।

आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं–जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग–अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है।

'संवाद से समाधान' एक ऐसा राष्ट्रीय मंच है जहां धर्म, समाज, शासन, शिक्षा और उद्योग जगत के विभिन्न आयामों से जुड़े विचारक व संत, संवाद के माध्यम से समाधान की खोज करते हैं। इसका उद्देश्य है संवाद के जरिये करुणा, अहिंसा, समरसता और नैतिकता के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाना। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी एवं अंतरराष्ट्रीय अभियान की शुरुआत है, जो भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के अनेक देशों में करुणा और शांति का संदेश लेकर पहुंचेगा। भविष्य की अजानी राहों में पांव रखते समय यदि हम महावीर की शिक्षाओं का आलोक साथ में रख पाये तो उस मार्ग में कहीं भी अवरोध नहीं आएगा।

महावीरायतन फाउंडेशन अपनी विविध मानव कल्याणकारी एवं अहिंसा–शांति की गतिविधियों के लिए प्रयासरत है। हिंसा, युद्ध एवं आतंकवाद के नियंत्रण के लिए महावीर के अहिंसा एवं समाज दर्शन को कारगर मानते हुए इस बहुआयामी आयोजन की परिकल्पना की गयी है। यह आयोजना 'सच्चं लोयम्मि सारभूमं' का उच्चारण है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी होता है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे संकल्पित और एकात्ममुख करना जरूरी है। जैन समाज आस्थाशील समाज है। आस्था के धागे में बंधा हुआ समाज कठिन से कठिन चढ़ाई के मार्ग पर भी आरोहण करने में सफल हो सकता है। समाज केवल धर्म के आधार पर नहीं चलता। उसे धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना की भी अपेक्षा रहती है। इस बहुमुखी चेतना को स्वर देने के लिए ही 'संवाद से समाधान' की योजना अस्तित्व में आयी है। लाखों लोगों के समाज में किसी कोने में कोई स्वर उभरे और वह वहीं खो जाये तो उस स्वर का कोई अर्थ नहीं रह जाता। एक स्वर लाखों लोगों का स्वर बने तो उसमें एक शक्ति पैदा होती है। ऐसी शक्ति जो सारे संसार को हिला सके, यह तभी हो सकता है जब एक स्वर लाखों लोगों तक पहुंच जाए, देश और दुनिया तक पहुंच जाए। इसी ध्येय से 'संवाद से समाधान' वर्तमान की एक ठोस उपलब्धि बनने की ओर अग्रसर है। यह समस्याग्रस्त दुनिया के लिए एक कल्पवृक्ष की भांति है। कल्पवृक्ष की छांव में रहने वाले लोग पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं।

इंग्लैंड में टेस्ट जीतने की उम्मीद, गिल–गंभीर को खास मौका

गिल–गंभीर का खत्म हुआ 18 साल का इंतजार

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम का टेस्ट इतिहास उतार–चढ़ाव से भरा रहा है। टीम इंडिया जब भी इंग्लैंड का दौरा करती है, तो हर बार उसे नई चुनौती और कसौटी से गुजरना पड़ता है। 1932 में जब भारत ने अपना पहला टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स मैदान में खेला, तब से लेकर अब तक कई यादगार पल और हार–जीत के किस्से दर्ज हुए हैं। अब 2025 में एक और मौका है जब भारतीय टीम, नए कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में इतिहास रच सकती है। भारत ने इंग्लैंड में अब तक कुल 67 टेस्ट मुकाबले खेले हैं, जिनमें उसे केवल 9 में जीत मिली है जबकि 38 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। 20 मैच ड्रॉ रहे। वहीं अगर टेस्ट सीरीज की बात करें तो टीम इंडिया ने इंग्लैंड में अब तक सिर्फ 3 बार सीरीज जीती है। पहली बार 1971 में अजीत वाडेकर की कप्तानी में, दूसरी बार 1986 में कपिल देव की अगुवाई में और तीसरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारत ने इंग्लैंड को उसी की धरती पर मात दी थी। अब, लगभग 18 साल बाद, भारत के पास फिर से सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा और उत्साही टीम तैयार है, जो चुनौती को स्वीकार करने और इतिहास रचने का माद्दा रखती है। पिछले कुछ सालों में भारतीय टीम ने विदेश में दमदार प्रदर्शन किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया के गाबा में 2021 की ऐतिहासिक जीत, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इंग्लैंड की तेज और स्विंग लेती पिचें हमेशा भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा लेती हैं। हालांकि अब भारतीय बल्लेबाज तकनीकी रूप से ज्यादा सशक्त और तैयार नजर आते हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाजों के साथ शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत जैसे युवा खिलाड़ी भी इंग्लिश परिस्थितियों में खुद को साबित करने को बेताब होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के पास वह धार है जो इंग्लैंड को उसके घर में चौंका सकती है।

इंग्लैंड के पास भी जो रूट, बेन स्टोक्स और जैक क्राली जैसे खतरनाक खिलाड़ी हैं, लेकिन अगर भारतीय टीम सामूहिक प्रदर्शन करे, तो सीरीज भारत के पक्ष में जा सकती है। इस बार खास बात यह भी है कि टीम की अगुवाई युवा शुभमन गिल कर रहे हैं और कोचिंग की जिम्मेदारी गौतम गंभीर जैसे आक्रमक सोच वाले खिलाड़ी के हाथ में है। ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि यह जोड़ी टीम इंडिया को उस मुकाम तक ले जाएगी, जिसका इंतजार पिछले 18 वर्षों से है इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का गौरव।

चमकी मोनालिसा की किस्मत, रॉयल लाइफस्टाइल से सबको चौंकाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोनालिसा भोंसले की कहानी एक प्रेरणा है, जो बताती है कि सोशल मीडिया किस तरह किसी की किस्मत पलट सकता है। मध्य प्रदेश की 16 वर्षीय मोनालिसा कभी महाकुंभ मेले में रुद्राक्ष और मोतियों की माला बेचा करती थीं। एक मामूली सी जिंदगी जीने वाली इस लड़की की एक तस्वीर ने उनकी पूरी दुनिया बदल दी। कुंभ मेले में खींची गई उस फोटो में उनकी मासूमियत और कजरारी आंखों ने लोगों का दिल जीत लिया। तस्वीर वायरल हुई और देखते ही देखते मोनालिसा इंटरनेट सेंसेशन बन गईं। उनकी लोकप्रियता बॉलीवुड तक जा पहुंची और उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने थोड़ी झिझक के बावजूद उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया। इसी वीडियो की सफलता के बाद उन्हें डायरेक्टर सनोज मिश्रा की फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में कास्ट किया गया। मोनालिसा अब इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन में भी भाग ले रही हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अपनी मां के लिए एक सोने की चेन खरीदी, जिसे उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा किया। हाल ही में वायरल हुई उनकी एक तस्वीर में वह एक लग्जरी कार में नजर आईं, जिसकी कीमत 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह साफ है कि मोनालिसा अब एक नई जिंदगी की ओर बढ़ चुकी हैं। अब उनका सपना है कि वह मुंबई में अपना खुद का घर लें। उनका यह सफर इस बात का उदाहरण है कि सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का माध्यम भी बन सकता है अगर आपके अंदर कोई खास बात हो।

मुशफिकुर रहीम ने रचा अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

श्रीलंका के खलाफ 150 से भी ज्यादा रनों की पारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने हाल ही में एक अनोखा और खास विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। लगभग 38 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे सुनकर क्रिकेट प्रेमी हैरान रह सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने बिना एक भी गेंद फेंके सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर–बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के नाम था। गिलक्रिस्ट ने अपने करियर में 396 इंटरनेशनल मैच खेलकर 15,461 रन बनाए थे और उन्होंने कभी गेंदबाजी नहीं की। लेकिन अब मुशफिकुर रहीम ने इस आंकड़े को पार कर लिया है। वह अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में 15 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं–वो भी बिना एक भी गेंद फेंके। यही बात इस रिकॉर्ड को बेहद खास बनाती है, क्योंकि उनके आगे जितने भी खिलाड़ी हैं, चाहे वो सचिन तेंदुलकर हों या कोई और, उन्होंने कभी न कभी गेंदबाजी जरूर की है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट मैच में मुशफिकुर रहीम ने पहले दिन शतक जड़ा और इसके बाद 150 रन का आंकड़ा भी पार किया।

अंडर–23 एशियन कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम तैयार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय अंडर–23 फुटबॉल टीम एएफसी अंडर–23 एशियन कप 2026 क्वालीफायर की तैयारियों के तहत बुधवार को ताजिकिस्तान के खिलाफ एक अहम मैत्री मैच खेलेगी। यह मुकाबला ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे शुरू होगा। इस दौरे का मकसद खिलाडीयों को प्रतिस्पर्धी माहौल में परखना और क्वालीफायर से पहले रणनीतिक तैयारी को धार देना है। टीम शनिवार को किर्गिज गणराज्य के खिलाफ दूसरा दोस्ताना मैच भी खेलेगी। सितंबर में होने वाले क्वालीफायर में भारत को ग्रुप ई में बहरीन, कतर और ब्रुनेई दारुस्सलाम जैसी टीमों से भिड़ना है। भारतीय टीम की कोशिश इस बार पहली बार इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की है। कोच नौशाद मूसा की अगुवाई में 23 सदस्यीय भारतीय दल सोमवार को दुशांबे पहुंचा और मंगलवार को एक गहन अभ्यास सत्र के जरिए मैच की तैयारी पूरी की। मूसा ने खिलाड़ीयों को मानसिक रूप से तैयार रहने और अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।

ताजिकिस्तान की टीम हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दो मैचों में 0–3 की हार झेल चुकी है, लेकिन कोच मूसा ने अपनी टीम को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ताजिकिस्तान की टीम अनुभव और प्रतिभा से भरपूर है और उन्होंने अतीत में अच्छे नतीजे हासिल किए हैं। इस दौरे पर मूसा का भारतीय अंडर–23 टीम के साथ यह दूसरा अनुभव है और वे इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

बॉयफ्रेंड संग चेहरा छिपाकर निकलीं रश्मिका मंदाना

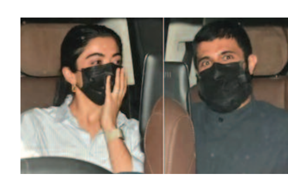

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी फिल्म 'कुबेरा' के साथ–साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। मशहूर निर्देशक शेखर कम्मुला की इस फिल्म में रश्मिका, धनुष और नागार्जुन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। 'कुबेरा' इस शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फिल्म के ट्रेलर और स्टारकास्ट की वजह से पहले से ही जबर्दस्त बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले रश्मिका का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह एयरपोर्ट पर विजय देवरकोंडा के साथ नजर आती हैं। वीडियो में दोनों कैमरों से बचते हुए तेजी से कार में बैठते हैं। रश्मिका मास्क पहने होती हैं और विजय कार की अगली सीट पर बैठते हैं, जबकि रश्मिका पीछे की सीट पर नजर आती हैं। दोनों एक ही कार में होते हुए भी कैमरे के सामने साथ नहीं आते, जिससे एक बार फिर उनके रिलेशनशिप की चर्चा शुरू हो गई है। पिछले कुछ सालों से रश्मिका और विजय देवरकोंडा के बीच डेटिंग की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन दोनों ने कभी सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की। कई बार उन्हें साथ वेकेशन, बर्थडे और त्योहार मनाते देखा गया है। एनिमल फिल्म के प्रमोशन के दौरान जब रश्मिका ने विजय को कॉल किया था और उन्होंने "हेलो बे" कहा था, तो वह क्लिप भी काफी वायरल हुई थी। वर्क फ्रंट पर, रश्मिका 'पुष्पा 3', 'द गर्लफ्रेंड' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं और वह इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेज में गिनी जाने लगी हैं। वहीं विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म 'किंगडम' में नए अवतार में नजर आएंगे।

दिलीप कुमार ने ठुकराई थी फिल्म, डायरेक्टर ने हीरो बनकर रच दिया इतिहास

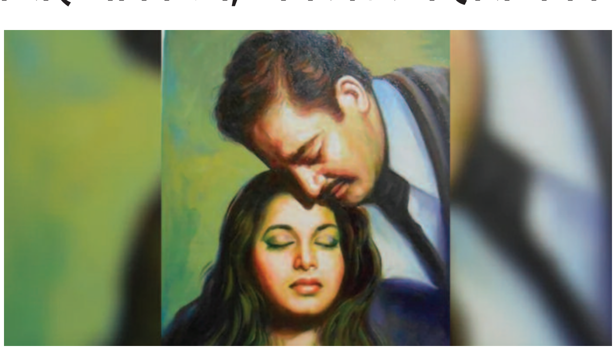

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड इतिहास में कुछ फैसले ऐसे होते हैं जो न केवल कलाकारों के करियर को दिशा देते हैं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री की तस्वीर बदल देते हैं। ऐसा ही एक फैसला 1957 में हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार ने लिया था, जब उन्होंने एक आइकॉनिक फिल्म 'प्यासा' को ठुकरा दिया। यह वही दौर था जब दिलीप कुमार 'ट्रेजेडी किंग' के नाम से प्रसिद्ध हो चुके थे और 'दाग', 'देवदास', 'मुगल–ए–आजम' और 'नया दौर' जैसी सुपरहिट फिल्मों में अपनी भावुक अदाकारी से दर्शकों के दिल जीत चुके थे। दरअसल, फिल्म 'प्यासा' के निर्देशक गुरु दत्त दिलीप कुमार को अपनी फिल्म का हीरो बनाना चाहते थे। देवदास (1955) में दिलीप कुमार की दमदार परफॉर्मेंस देखकर गुरु दत्त को लगा कि 'प्यासा' के किरदार को वही सबसे बेहतर तरीके से निभा सकते हैं। उन्होंने दिलीप कुमार को कहानी सुनाई, जो उन्हें बेहद पसंद आई। दिलीप कुमार इस फिल्म को करना चाहते थे, लेकिन बात फीस पर आकर अटक गई।

दिलीप कुमार ने फिल्म के लिए डेढ़ लाख रुपये की मांग की, जो उस समय के हिसाब से बड़ी रकम थी। गुरु दत्त ने इस रकम को काफी ज्यादा बताया और एक्टर से फीस कम करने का आग्रह किया। लेकिन दिलीप कुमार ने घमंड में कहा कि अगर गुरु दत्त उन्हें फिल्म बना कर दे दें, तो वह उसे डिस्ट्रीब्यूट करने में मदद कर सकते हैं। यह बात गुरु दत्त को नागवार गुज़री। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वे फिल्म बेचने नहीं, बल्कि दिलीप कुमार को इसमें अभिनेता लेने आए हैं। यह बात सुनकर दोनों के बीच तनातनी हो गई। बाद में दिलीप कुमार ने फिल्म करने की सहमति दी, लेकिन पहले ही दिन शूटिंग पर नहीं पहुंचे। सेट पर सभी उनका इंतजार करते रहे, लेकिन पता चला कि वह बी. आर. चोपड़ा की फिल्म 'नया दौर' की स्क्रिप्ट पर चर्चा कर रहे हैं। इससे 'प्यासा' का मुहूर्त भी निकल गया क्योंकि दिलीप कुमार ने केवल 10 मिनट का समय दिया था। यह गुरु दत्त को बेहद अपमानजनक लगा और उन्होंने तुरंत निर्णय लिया कि वह खुद ही इस फिल्म के हीरो होंगे। गुरु दत्त ने 'प्यासा' में विजय नामक कवि का किरदार निभाया, जो समाज की संवेदनहीनता और व्यावसायिकता से जूझता है। इस फिल्म में वहीदा रहमान और माला सिन्हा भी मुख्य भूमिकाओं में थीं।

एस.डी. बर्मन के संगीत और साहिर लुधियानवी के गीतों ने फिल्म को अमर बना दिया। 'जिने के हैं चार दिन', 'ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है' जैसे गीत आज भी लोगों की जुबान पर हैं। 1957 में रिलीज होने के बाद 'प्यासा' न केवल ब्लॉकबस्टर साबित हुई, बल्कि इसने उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बनकर दिलीप कुमार की 'नया दौर' को भी पछाड़ दिया। 'प्यासा' को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों का भरपूर प्यार मिला और यह समय के साथ एक कल्ट क्लासिक बन गई। आज भी यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होती है और टाइम मैगज़ीन की "ऑल टाइम 100 मूवीज़" में इसका नाम दर्ज है।

बुलंदशहर में दर्दनाक हादसा

शादी से लौटते वक्त भीषण हादसा, पांच जिंदा जले

यूनिक समय, बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें बदायूं जिले के सहसवान निवासी तंजील अहमद समेत उनके परिवार के पांच सदस्यों की कार में जलकर मौत हो गई। सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौट रहे थे।

हादसा उस समय हुआ जब तंजील अहमद खुद कार चला रहे थे और झपकी आने के कारण उनकी कार चांदोक गांव के पास एक पुलिया से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जो सीएनजी किट लगे होने के कारण और तेजी से फैल गई। कार में मौजूद तंजील (25), उनकी पत्नी निदा, बहन मोमिन, बहनोई जुबैर और दो साल का मासूम जैनुल कार के भीतर ही जिंदा जल गए।

तंजील की 17 वर्षीय छोटी बहन

गुलनाज गंभीर रूप से झुलस गई है, जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। इस हादसे ने पूरे इलाके में मातम पसरा दिया है और गांव हमूपुर चमरपुरा में हर कोई शोक में डूबा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, तंजील अहमद दिल्ली के मालवीय नगर में पत्नी निदा और पिता तनवीर अहमद के साथ रहते थे। वे एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे, जबकि पिता ठेकेदारी करते हैं। उनके बहनोई जुबैर भी पास ही रहते थे और रंगाई-पुताई का काम करते थे। बीते 16 जून को तंजील अपने परिवार के साथ चाचा अलीम की शादी में शरीक होने गांव आए थे। शादी की खुशियां हर तरफ थीं, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि लौटते वक्त यह खुशियां मातम में बदल जाएंगी। परिजनों के अनुसार, सभी लोग सुबह करीब 4 बजे दिल्ली के

झपकी से उजड़ गया तीन परिवारों का सुखद संसार

लिए रवाना हुए थे। अनूपशहर-बुलंदशहर मार्ग पर जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई और उसमें आग लग गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था।

तंजील और निदा की शादी सात महीने पहले 18 नवंबर 2024 को हुई थी। अब उनकी असमय मौत से न सिर्फ उनका परिवार, बल्कि पूरा गांव सदमे में है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा, विशेषकर रात के सफर और झपकी की स्थिति में सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर करता है।

आगरा में दो भीषण सड़क हादसों में छह लोगों की मौत

33 घायल, सुबह टहलने गए लोगों को मैक्स ने रौंदा

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। बुधवार का दिन आगरा के लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ। शहर और उसके बाहरी क्षेत्र में हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब 33 लोग घायल हो गए। एक हादसे में सुबह सैर पर निकले लोगों को तेज रफ्तार मैक्स गाड़ी ने कुचल दिया, वहीं दूसरी घटना में एक यात्री बस खड़े ट्रक से टकरा गई। पहली घटना थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के शाहदरा फ्लाईओवर पर बुधवार सुबह करीब 6 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, लखनऊ मंडी से आम भरकर आगरा आ रही मैक्स (मिनी ट्रक) अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के वक्त हाईवे किनारे टहलने निकले तीन बुजुर्ग व्यक्ति मैक्स के नीचे दब गए। वाहन चालक भी गाड़ी के पलटने से गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक चार लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। राजेश पुत्र लाखन सिंह (55 वर्ष), निवासी शाहदरा, रामेश्वर पुत्र बुद्धराम (60 वर्ष), निवासी शाहदरा, हरीबाबू पुत्र स्व. धुरीलाल (63 वर्ष), निवासी शाहदरा तथा कृष्णा (चालक) शामिल हैं। हादसे में गाड़ी का क्लीनर भी बुरी तरह घायल हो गया है और उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि संभवतः चालक को झपकी आ गई थी, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

घटना की सूचना मिलते ही एसीपी छत्ता हेमंत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने क्रेन से क्षतिग्रस्त गाड़ी को हटाकर यातायात बहाल कराया। दूसरा बड़ा हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर फतेहाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत टोल नंबर 21 के पास बुधवार तड़के करीब 1:10 बजे हुआ। बिहार जा रही एक यात्री बस तेज रफ्तार में चल रही थी और खड़े ट्रक से टकरा गई। बस दिल्ली से बिहार जा रही थी। जैसे ही वह टोल नंबर 21 के पास पहुंची, वहां सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और कई यात्री सीटों और खिड़कियों के बीच फंस गए। सूचना मिलते ही यूपीडा की रेस्क्यू टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया। दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। करीब 32 यात्री घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। सभी घायलों को एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और हादसे की जांच की जा रही है।

तत्काल रेलवे टिकटों की हवाई कालाबाजारी का भंडाफोड़

दो दलाल गिरफ्तार

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में रेलवे पुलिस बल क्राइम ब्रांच ने तत्काल रेलवे टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह ने टिकटों की डिलीवरी के लिए हवाई मार्ग का इस्तेमाल कर एक नया तरीका अपनाया था, जिससे टिकटों को तेजी से देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जा सके।

आरपीएफ उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह यादव के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने चारबाग रेलवे स्टेशन के पार्सल ऑफिस के पास से दो आरोपियों मोहम्मद कैफ और गौरव उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक मूल टिकट, 19 टिकटों की फोटोकॉपी, दो मोबाइल फोन, एक स्कूटी और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जांच में सामने आया कि गिरोह ने 1.34 लाख रुपये के तत्काल टिकट खरीदे थे, जो आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के छोटे आरक्षण केंद्रों से दलालों द्वारा बुक किए गए थे। इन टिकटों को फ्लाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाया जाता था। आरपीएफ के अनुसार, इस नेटवर्क में लखनऊ निवासी मोहम्मद शाबान, मुंबई के ट्रैवल एजेंट मनीष कामदार, मयूर गणेश और सीसीएस पोर्ट कार्गो सर्विस के कुछ कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। साथ ही दक्षिण भारत के कुछ एजेंटों की भूमिका भी संदिग्ध है। अब तक 20 लोगों के नाम पर 80 तत्काल टिकट जारी किए जाने की जानकारी मिली है। इस मामले में एयरपोर्ट कार्गो सर्विस से जुड़े कुछ कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह एक संगठित रैकेट है, जो रेल यात्रियों की तत्काल जरूरतों का फायदा उठाकर मुनाफा कमा रहा था। जांच जारी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

रेल पटरी के पास मिला मोर्टार सेल, बरेली में मचा हड़कंप

यूनिक समय बरेली। बरेली के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब रेल लाइन के किनारे मिट्टी डालते वक्त सेना का एक मोर्टार सेल बरामद हुआ। जानकारी मिलते ही पुलिस और सेना की यूनिट घटनास्थल पर पहुंची। सेना के बम निरोधक दस्ते ने तत्काल मोर्टार को निष्क्रिय कर दिया।

घटना मंगलवार रात करीब एक बजे की है, जब भारी बारिश के कारण धंसी रेल पटरी के किनारे जेसीबी से मिट्टी भरने का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान श्रमिकों को मिट्टी में एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी मानुष परीक और सुभाषनगर पुलिस ने जब जांच की, तो पता चला कि वह वस्तु एक मोर्टार सेल है।

सेना की बम स्क्वॉयड टीम को भी तत्काल सूचना दी गई, जो रात में ही

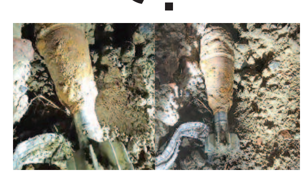

पहुंची और मोर्टार को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। घटनास्थल से कुछ दूरी पर सैन्य क्षेत्र होने के कारण यह संदेह जताया जा रहा है कि मोर्टार मिसफायर होने के बाद उसे मिट्टी में दबा दिया गया था, जो बाद में मिट्टी के साथ रेल लाइन के किनारे पहुंच गया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मोर्टार किस यूनिट से संबंधित था। पुलिस और सेना की संयुक्त टीम मामले की गंभीरता से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह मोर्टार यहां कैसे पहुंचा और क्या यह सुरक्षा के लिहाज से कोई खतरा उत्पन्न कर सकता था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की शिष्टाचार भेंट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट औपचारिक और सौजन्यपूर्ण थी, जिसे दोनों नेताओं के बीच सकारात्मक संवाद के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुलाकात की जानकारी अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर साझा की। उन्होंने लिखा, "राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आज मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार मा. राष्ट्रपति जी!" हालांकि इस भेंट के दौरान किसी विशेष मुद्दे पर चर्चा की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इसे एक अहम संवाद के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति से ऐसी मुलाकातें राज्य और केंद्र के बीच संवाद बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होती हैं। यह शिष्टाचार भेंट ऐसे समय में हुई है जब राज्य में कई प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों को गति दी जा रही है।

मुस्कान-सोनम कांड के बाद गुण-दोष देखने का बढ़ा ट्रेंड

शादी में 25 से अधिक गुण मिलने पर ही फेरे

यूनिक समय, लखनऊ। देशभर में शादी से पहले कुंडली मिलान का चलन तेजी से बढ़ा है। मुस्कान-सोनम जैसे विवादास्पद मामलों के बाद अब युवक-युवतियां और उनके परिवार विवाह से पहले गुण-दोष के मिलान को अत्यंत गंभीरता से ले रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि अब 36 में से कम से कम 25 गुण मिलना अनिवार्य हो गया है, तभी विवाह को मंजूरी दी जा रही है।

इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंस के सचिव आचार्य कौशल वत्स के अनुसार, प्रतिदिन पांच से सात कुंडली मिलान के मामले आ रहे हैं। पहले जहां कम गुण मिलने पर समाधान खोजा जाता था, अब ऐसे रिश्ते को नकार दिया जा

रहा है। आईटी कंपनियों में कार्यरत युवा वर्ग भी इस परंपरा को गंभीरता से अपना रहा है।

हाल ही में 18 ऐसे मामले सामने आए जहां कुंडली न मिलने पर विवाह की बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई। उदाहरण के तौर पर, शास्त्री नगर की एक युवती ने कुंडली न मिलने पर अपनी ही कंपनी के सहकर्मी से विवाह से इंकार कर दिया और बाद में गाजियाबाद के युवक से विवाह किया। वहीं एक अन्य मामले में, पंचम भाव में दोष के कारण विवाह के बाद युवती पड़ोसी युवक के संपर्क में आ गई, जिससे तलाक की नौबत आ गई।

ज्योतिषाचार्य मनीष स्वामी के अनुसार, कुंडली मिलान में सप्तम भाव का विशेष महत्व होता है। इसमें राहु, केतु या शनि जैसे क्रूर ग्रह नहीं होने चाहिए। यदि राहु अशुभ हो, तो पुरुष के व्यवहार में बुराइयां आ सकती हैं, जैसे शराब का सेवन और धन का अपव्यय। अब समाज फिर से प्राचीन परंपराओं की ओर लौट रहा है। गौरी पूजा, सोलह सोमवार व्रत जैसे विधान पुनः प्रचलन में आ गए हैं। विवाहों में चातुर्मास का ध्यान रखा जा रहा है, और फेरों का समय भी रात्रि से बदलकर दिन में रखा जा रहा है, जिसे "सनडाउन वेडिंग" कहा जा रहा है। चाक पूजन जैसी परंपराएं भी निभाई जा रही हैं।

आगरा में सड़क हादसा, चार की मौत

यूनिक समय, आगरा। आगरा में एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर लोगों पर गिर गई। हादसे में 4 की मौत और 1 व्यक्ति घायल हुआ। ड्राइवर की भी मौत हो गई, हेल्पर की हालत गंभीर है।

सार संक्षेप

कच्चे तेल की कीमत स्थिर रही : पुरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरदीप पुरी ने कहा कि बीते तीन साल में कच्चे तेल की कीमतें घटी हैं। भारत ने तीन बार पेट्रोल–डीजल की कीमतें घटाई हैं। आगे भी कीमतों में स्थिरता बनी रहेगी और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं होगी।

ईरान–इजराइल युद्ध पर खामेनेई का संबोधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान–इजराइल युद्ध के बीच सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई राष्ट्र को संबोधित करेंगे। यह भाषण उनकी चुप्पी और शीर्ष सहयोगियों की मौत की खबरों के बीच बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐशबाग ओवरब्रिज होगा रीडिजाइन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोपाल का ऐशबाग ओवरब्रिज, जो 90 डिग्री टर्न के कारण बदनाम था, अब फिर से डिजाइन किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी और रेलवे मिलकर इस मोड़ को सुरक्षित बनाएंगे। ब्रिज तोड़ा नहीं जाएगा।

विमान हादसे से बचे विश्वास को छुट्टी मिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में जीवित बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। 242 यात्रियों में से केवल वही बचे। हादसे में बाकी सभी की मौत हो गई थी।

जयराम रमेश पर बीजेपी का हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। शहजाद पूनावाला ने जयराम रमेश को कांग्रेस का "डिजिटल फ्रॉड सप्लायर" बताया। कहा, कांग्रेस मोदी विरोध में झूठ फैला रही है और व्हाइट हाउस के पुराने प्रेस नोट को आज का बताकर भ्रम फैला रही है।

पीएम मोदी बिहार दौरे पर ठगने आ रहे : तेजस्वी

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोजगार, शिक्षा या पलायन जैसे मुद्दों पर नहीं, बल्कि लोगों को ठगने आ रहे हैं। उन्होंने केंद्र की नीतियों को जनता विरोधी बताया।

कांग्रेस विधायक दोषी, जेल की सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर की अदालत ने रास्ता रोकने के 11 साल पुराने मामले में कांग्रेस के 2 विधायकों सहित 9 लोगों को एक–एक साल की सजा सुनाई है। ये सभी 2014 में सड़क जाम के दोषी पाए गए।

अहमदाबाद हादसा : 159 शव सौंपे गए

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में 190 शवों की डीएनए जांच हुई। 159 शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतकों की पहचान का कार्य तेजी से किया गया।

बटला हाउस पर ड्रोन से निगरानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के बटला हाउस इलाके में पुलिस ने स्टे न मिलने वाले मकानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इलाके में ड्रोन से निगरानी की जा रही है और सुरक्षा बढ़ाई गई है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से बड़ा हादसा

खाई में गिरे यात्री, दो की मौत,तीन घायल

जंगलचट्टी के पास पहाड़ी से गिरा मलबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम की पवित्र यात्रा के दौरान एक और दर्दनाक हादसा सामने आया है। बुधवार को केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर जंगलचट्टी के पास बरसाती नाले में अचानक हुए भूस्खलन से दो तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा सुबह लगभग 11 बजे हुआ, जब अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर नीचे गिरने लगे। पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन बल की टीमें मौके पर तुरंत पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, मलबा गिरने के कारण वहां से गुजर रहे कुछ तीर्थयात्री और पालकी संचालन से जुड़े लोग इसकी चपेट में आकर नीचे खाई में गिर गए।

घायलों को तत्काल खाई से निकालकर प्राथमिक चिकित्सा के लिए गौरीकुंड भेजा गया है। इनमें से दो पुरुष गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि एक महिला को मामूली चोटें आई हैं।

इस हादसे ने यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन के अनुसार मृतकों की शिनाख्त की जा रही है और पुलिस की निगरानी में फिलहाल यात्रियों की आवाजाही करवाई जा रही है।

गौरतलब है कि केवल दो दिन पहले भी इसी पैदल मार्ग पर बारिश के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई थी। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। ऐसे में प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सावधानी बरतें, मौसम की स्थिति को ध्यान में रखें और अनावश्यक जोखिम न लें।

केदारनाथ यात्रा के इस संवेदनशील मार्ग पर लगातार हो रहे प्राकृतिक हादसे चिंता का विषय बनते जा रहे हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रशासन को अधिक पुख्ता व्यवस्था की जरूरत है।

दिल्ली क्लासरूम घोटाला में ईडी की बड़ी कार्रवाई

37 ठिकानों पर छापेमारी से मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली में एक कथित क्लासरूम निर्माण घोटाले के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 37 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापे स्कूलों में कक्षा निर्माण से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में मारे गए। सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमों ने ठेकेदारों और निजी संस्थाओं के परिसरों में तलाशी ली। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किसी राजनेता के ठिकानों पर भी छापे मारे गए हैं या नहीं। इस मामले में ईडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को भी आरोपी बनाया है, जो आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

प्राथमिकी के अनुसार, दिल्ली सरकार के स्कूलों में लगभग 12,748 क्लासरूम के निर्माण में करीब 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं पाई गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक कक्षा के निर्माण पर औसतन 24.86 लाख रुपये खर्च किए गए, जबकि सामान्यतः ऐसे निर्माण की लागत 5 लाख रुपये के आसपास होती है। ईडी की जांच में टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी, निर्माण की गुणवत्ता में कमी और सरकारी नियमों की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं।

फिलहाल ईडी ठेकेदारों, निजी फर्मों, इंजीनियरों और संबंधित अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई ने दिल्ली की राजनीतिक हलचल को एक बार फिर तेज कर दिया है।

छह राज्यों में भारी बारिश का रेड अलर्ट, दिल्ली में येलो अलर्ट जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के कई राज्यों में मानसून सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल, तटीय कर्नाटक, केरल, गुजरात, असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

दिल्ली–एनसीआर में बुधवार के लिए येलो अलर्ट है, जहां 50–60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी और शिमला जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बारिश का यह सिलसिला 22 जून तक जारी रह सकता है।

16 साल की लड़की की सुप्रीम कोर्ट से गुहार

मेरी शादी खत्म कीजिए माय लॉर्ड

सुप्रीम कोर्ट ने दी तत्काल सुनवाई की तारीख

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की याचिका पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आज ही सुनवाई की तारीख तय कर दी है। इस याचिका में लड़की ने अपने बाल विवाह को अवैध करार देने और उसे खत्म करने की मांग की है। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ इस संवेदनशील मामले की सुनवाई करेगी।

याचिका के अनुसार, लड़की की 9 दिसंबर 2024 को जबरन शादी करा दी गई थी, जब उसकी उम्र महज साढ़े सोलह साल थी। उसने बताया कि वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी, लेकिन उसके ससुर ने उसे बंदी बनाकर रखा, और बाद में भी माता–पिता के पास भेजने का वादा पूरा नहीं किया।

लड़की का आरोप है कि उसके माता–पिता ने आरोपी से कर्ज लिया था, और इसी कारण उन्होंने उसकी शादी 32–33 वर्षीय एक सिविल ठेकेदार से कर दी। शादी के बाद जब लड़की ने विरोध किया तो उसकी जान को खतरा बताया गया। फिलहाल वह अपने एक मित्र के साथ भागकर रह रही है और उसे अपने जीवन की सुरक्षा की चिंता है।

याचिका में यह भी बताया गया कि ससुराल पक्ष बार–बार संतान पैदा करने का दबाव बना रहा था, जबकि लड़की शिक्षक या वकील बनने का सपना देख रही थी। लड़की ने सुप्रीम कोर्ट से बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत शादी को रद्द करने, ससुराल पक्ष और पति पर कानूनी कार्रवाई, और स्वयं तथा अपने मित्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।

छत्तीसगढ़–आंध्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित मारेडपल्ली के जंगलों में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस कार्रवाई में तीन वांछित नक्सली मारे गए हैं, जिनमें दो बड़े इनामी शामिल थे।

मारे गए नक्सलियों में गजराला रवि उर्फ उदय शामिल है, जिस पर सरकार ने 40 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। वह वारंगल जिले के वेलिशाला गांव का निवासी था और नक्सल संगठन की सेंट्रल कमेटी का सदस्य था।

दूसरी मारी गई नक्सली, रवी चैतन्य उर्फ अरुणा , नक्सली कमांडर चलपति की पत्नी थी। अरुणा पर 20 लाख का इनाम घोषित था।

दो पर था भारी इनाम

उसका पति चलपति कुछ महीने पहले मारा गया था, जब एक सेल्फी के जरिए सुरक्षा बलों ने उसकी पहचान की थी। तीसरी नक्सली की पहचान अंजू के रूप में हुई है।

मुठभेड़ में तीनों के पास से एके–47 राइफलें बरामद हुई हैं। मुठभेड़ अब भी जारी है और इलाके में रुक–रुक कर फायरिंग हो रही है। संभावना जताई जा रही है कि और भी नक्सली इसमें ढेर हो सकते हैं।

एसपी अमित बरदार और डीएसपी जीएस प्रशांत ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई थी। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

दूसरा हथियार बरामद, आरोपियों से पूछताछ में खुली नई परतें

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजा रघुवंशी हत्या मामले में मेघालय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए दूसरे हथियार को भी बरामद कर लिया है। पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभी आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर हत्या की पूरी घटना को दोहराया। यह घटनास्थल मेघालय के सोहरा क्षेत्र में शिलांग से लगभग 65 किलोमीटर दूर है।

मंगलवार को सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने यह बताया कि दूसरा हथियार उन्होंने कहां फेंका था। इसके बाद एसडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीम मेटल डिटेक्टर के साथ मौके पर पहुंची और सफलतापूर्वक हथियार को खोज निकाला।

पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने इस बरामदगी की पुष्टि करते हुए बताया कि यह हथियार भी हत्या में इस्तेमाल हुआ था और इसे अब फॉरेंसिक जांच

के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या में उपयोग किए गए दोनों हथियार गुवाहाटी की एक दुकान से खरीदे गए थे।

जांच में सामने आया कि राजा रघुवंशी पर तीन बार वार किया गया। पहला वार विशाल ने पीछे से किया, दूसरा वार आनंद ने और आखिरी वार आकाश ने किया। आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि हत्या में दो चाकुओं का इस्तेमाल हुआ था।

गौरतलब है कि राजा और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी और 20 मई को वे हनीमून पर मेघालय पहुंचे थे। राजा की हत्या की साजिश में उसकी पत्नी सोनम और उसका प्रेमी शामिल थे, जिन्हें बाद में उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

मधुबनी कलेक्ट्रेट की हो सकती है नीलामी, कोर्ट ने चस्पाया नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मधुबनी जिले में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। कोर्ट के आदेश पर मधुबनी कलेक्ट्रेट को नीलाम करने की चेतावनी दी गई है। कलेक्ट्रेट के गेट पर एक नोटिस चस्पा कर कहा गया है कि यदि 15 दिनों के भीतर कोलकाता की राधाकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 4.17 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया, तो कलेक्ट्रेट की संपत्ति की नीलामी होगी।

यह मामला पंडौल स्थित सहकारी कताई मिल से जुड़ा है, जिसमें वर्ष 2014 में पटना हाईकोर्ट ने कंपनी को भुगतान का आदेश दिया था। समय पर भुगतान न होने पर ब्याज सहित राशि बढ़ गई। कंपनी ने 2016 में कोर्ट में अनुपालन याचिका दायर की थी। अब कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन पर संकट मंडरा रहा है, क्योंकि कलेक्ट्रेट में डीएम, एसपी सहित जिले के प्रमुख अधिकारी कार्यरत हैं। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आमदनी अठ्ठनी, खर्चा रुपयाः 2025 में फिर से सच हो गई पुरानी कहावत

महंगाई ने छीनी मुस्कान, आमदनी पीछे छूटी, खर्चे बेकाबू

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कभी 2001 में आयी गोविंदा और जूही चावला की फिल्म आमदनी अठ्ठनी खर्चा रुपया, लोगों को हंसाते हुए एक गहरी सच्चाई कह गई थी। तब यह एक हल्की-फुल्की कहानी मानी गई थी, लेकिन आज देश के लाखों परिवार उसी कहानी को जी रहे हैं। आमदनी जहाँ स्थिर या बहुत धीमी गति से बढ़ रही है, वहीं महंगाई बेलगाम होकर जेब पर सीधा हमला कर रही है। तेल, दाल, दूध, बिजली, मकान किराया, स्कूल फीस- हर चीज की कीमतें इतनी बढ़ चुकी हैं कि अब मासिक बजट बनाना भी एक मानसिक कसरत बन चुका है। एक निजी कंपनी कर्मचारी रामकुमार कहते हैं,

"तनख्वाह हर महीने आती है, लेकिन लगता है जैसे एक ही हफ्ते में उड़ जाती है। ईएमआई, राशन, बच्चों की पढ़ाई और दवा के खर्च के बाद कुछ भी नहीं बचता।" यही हाल देश के छोटे शहरों और कस्बों का भी है, जहाँ आमदनी तो पहले से भी कम है, पर खर्चा उतना ही तेजी से बढ़ रहा है। पहले परिवार एक कमाने वाले पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब जमाना दोहरी कमाई का हो गया है। महिलाएँ भी घर से बाहर निकलकर नौकरी या ऑनलाइन काम कर रही हैं। कई जगह महिलाएं ही परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं। फिर भी कई बार खर्चे इतने हैं कि कमाई पीछे छूट जाती है। सोशल मीडिया पर एक चुटकुला चल रहा है "बजट बनाते समय सबसे ज़रूरी चीज है- रबड़ वाला कैल्क्युलेटर!" जो हिसाब-किताब अपनी मजर्र से बदल सके। बैंक और वित्तीय सलाहकार अब लोगों को कह रहे हैं कि बचत से आगे बढ़कर निवेश की सोचो। लेकिन जब बचता ही कुछ नहीं, तो निवेश कहाँ से हो? मध्यम वर्ग अभी भी महंगाई की मार के आगे बेबस खड़ा है।

बहुत से लोगों ने मजबूरी में अपने बच्चों की पढ़ाई सस्ते स्कूलों में कराई, बीमा बंद किया, और छुट्टियों का सपना त्याग दिया। यह एक ऐसा वर्ग है जो न तो सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठा पाता है, न ही अपनी समस्याओं को जोर से कह पाता है। इस पूरी स्थिति में फिल्म आमदनी अठ्ठनी खर्चा रुपया अब केवल एक सिनेमा नहीं, बल्कि सामाजिक दस्तावेज की तरह लगती है। इसकी कहानी, इसके संवाद, आज की अर्थव्यवस्था के आईने में और भी ज्यादा चमकने लगे हैं। दर्शकों को वह हँसी आज फिर याद आती है, पर इस बार मुस्कान नहीं, एक गहरी साँस के साथ। जिस तरह फिल्म में महिलाओं ने घर चलाने की जिम्मेदारी ली थी, आज भी वही हो रहा है। लेकिन इस बार असली जीवन में। लोग अब समझ चुके हैं कि सिर्फ हँसकर नहीं, समझदारी और जागरूकता से ही खर्चों पर काबू पाया जा सकता है। मोबाइल पर हर महीने आने वाला मैसेज "आपका बैलेंस 13.50 है" अब एक मजाक नहीं, कड़वी सच्चाई है। इस दौर में जब एक अठ्ठनी जैसी लगने वाली आमदनी पर रुपया वाला खर्च भारी पड़ रहा है, तब लोगों को फिर उसी पुरानी कहावत की याद आ रही है "चादर देखकर पैर पसारो।" लेकिन अफसोस, अब चादर सिकुड़ रही है और पैर बढ़ते ही जा रहे हैं।

गौवंशों की देखभाल में नहीं हो कमी: रमाकांत

फरह ब्लॉक के ग्राम कोह की गौशाला का निरीक्षण करते यूपी गौ सेवा आयोग सदस्य रमाकांत।

यूपी गौ सेवा आयोग के सदस्य ने किया कोह गौशाला का निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। यूपी गौ सेवा आयोग सदस्य रमाकांत उपाध्याय द्वारा बुधवार को जनपद के फरह ब्लॉक के ग्राम कोह की गौ आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौवंशों की देखभाल, चारे-पानी की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था एवं गौशाला की संरचना का गहन जायजा लिया गया।

निरीक्षण में गौवंशों की संख्या कम पाई गई। गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने गौवंशों की संख्या, भूसा, हरा-चारा, ईयर टैगिंग, लाइटिंग, पानी, शेड, गर्मी से बचाव आदि की जानकारी ली। गौशाला की व्यवस्था को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशाला की सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि गौवंशों को उचित देखभाल एवं पोषण मिल सके। उन्होंने उपस्थित पशु चिकित्सा अधिकारी को गौवंशो की नियमित स्वास्थ्य चेकअप के निर्देश दिए।

होमगार्ड की बाइक चोरी

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा स्टेट बैंक के सामने खड़ी होमगार्ड की बाइक चोरी हो गई। बाइक चोरी की रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ थाना जैंत में दर्ज कराई गई है। पीआरवी 1899 पर चालक की ड्यूटी करने वाले होमगार्ड सुरेशचंद ने अपनी बाइक छटीकरा चौराहे पर स्टेट बैंक के समीप खड़ी कर दी थी। प्रातः जब वह ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक लेने के लिए लौटा तो वहां खड़ी बाइक चोरी हो चुकी थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कुछ पता नहीं लगा। बाद में होमगार्ड की तहरीर पर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सिम्स हॉस्पिटल में प्लास्टिक सर्जन की नि:शुल्क ओपीडी 11 जुलाई तक

यूनिक समय, मथुरा। सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, सिम्स हॉस्पिटल में निशुल्क ओपीडी 11 जुलाई तक प्लास्टिक सर्जन डॉ. केतल मित्तल द्वारा की जाएगी। निशुल्क ओपीडी में कटे होठ, कटे तालु, अंगुली या हाथ कटना, हेयर ट्रांसप्लान्ट, डायबिटिक फुट, बर्न मैनेजमेंट रीकन्स्ट्रक्शन, स्तन की सर्जरी, गाइनेकोमैस्टिया, डायलिसिस मरीजों के लिए एवी फिस्टुला की सर्जरी, इमरजेंसी ट्रॉमा सर्जरी, रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, जन्मजात जुड़े अंग आदि सर्जरी सायं 4 से शाम 7 बजे तक निःशुल्क परामर्श दी जाएगी। सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि बृजक्षेत्र में प्लास्टिक सर्जन के लिए काफी परेशानी होती थी ऐसे लोगों के लिए अब कोई परेशानी नहीं होगी और कहा कि प्लास्टिक सर्जन डॉ. केतल मित्तल द्वारा सिम्स हॉस्पिटल में इनका इलाज पूरा हो सकेगा।

'सूर्य नमस्कार : स्वास्थ्य से सरोकार' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'सूर्य नमस्कारः स्वास्थ्य से सरोकार' विषय पर आभासी माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ता के तौर पर पतंजलि योगपीठ से प्रशिक्षित अध्यापक देशराज सिंह आर्य उपस्थित रहे। देशराज सिंह आर्य ने सूर्य नमस्कार के 12 आयाम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सूर्य नमस्कार करता है उसका व्यक्तित्व बहुत ही सुंदर हो जाता है। पूर्ण लाभ के लिए सूर्य नमस्कार हमें सुबह सूर्योदय अथवा उसके ठीक बाद के समय करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने योग के आठ नियमों के संदर्भ में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर प्रीति जौहरी ने नियमित योग करने के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सीमा शर्मा ने भी अपने योग संबंधित अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा राय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुषमा अग्रवाल ने किया।

वृंदावन स्थित उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर में बुधवार को सायं सजाए फूल बंगला में विराजमान ठाकुरजी। फूल बंगला की झांकी के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। यह विशाल फूल बंगला अलग ही छटा बिखेर रहा था।

श्रीगिर्राज महाराज कॉलेज के संस्थापक की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। श्री गिर्राज महाराज कॉलेज संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय डॉ गोपाल प्रसाद शुक्ला की पुण्यतिथि पर परिजनों एवं संस्थान के समस्त स्टाफ व समाज के गणमान्य लोगों के द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी धर्मपत्नी डॉ. बृजबाला शुक्ला ने श्री नाथ जी के अष्ट सखा नामक पुस्तक को प्रकाशित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह पुस्तक प्रत्येक बृजवासी के लिए प्रेरणा एवं भक्ति ज्ञान का स्रोत है। पूर्व मंत्री विधायक श्रीकांत शर्मा ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि यह पुस्तक रसखान के प्रसिद्ध छंद मानुष हों तो वही रसखान जैसी जानकारियां मिलेंगी। विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया जर्नलिस्ट रास बिहारी शर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुक्ला के अनुभवों को साझा किया। भागवत आचार्य रमाकांत गोस्वामी, कपिल देव उपाध्याय आदि वक्ताओं ने शुक्ला की यादों को ताजा किया। इस मौके पर डॉ. आशुतोष शुक्ला, आदित्य शुक्ला, केसी गौ, पंकज तिवारी, अवधेश रावत, मनोज शर्मा, महेश अग्रवाल, रेवती रमन शर्मा, हेमराज सिंह, ईश्वर चंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, राहुल शर्मा, डॉ ब्रजेश शर्मा, राधारमण शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

लाभार्थियों के चेहरा प्रमाणीकरण की गति धीमी

लापरवाही बरतने पर 649 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का जून का मानदेय रोका

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर एप पर ई केवाईसी करने और चेहरा प्रमाणीकरण का काम तेजी से हो रहा है। 30 जून तक इसे पूरा करने में सभी परियोजनाओं के सीडीपीओ, सुपरवाइजर और ब्लॉक समन्वयक फील्ड में जुटे हुए हैं। सभी को सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी जारी की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने बताया कि जनपद में अभी तक केवल 25 प्रतिशत लाभार्थियों का ही ई केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण हो पाया है। इसका मुख्य कारण यह है कि कई ऐसी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है जो अभी तक काम में रुचि नहीं ले रही हैं और काम शुरू नहीं किया है। बुलाने पर भी संबंधित प्रशिक्षण /बैठक में भाग लेने के लिए नहीं आ रही है। जबकि प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रतिदिन न्यूनतम 10 लाभार्थियों की ई केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण का लक्ष्य जनपद स्तर से निर्धारित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने इन पर सख्ती की है और ऐसे सभी कार्यकर्ताओं का जून महीने का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से पूरे जनपद में 649 ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र चिह्नित किए गए हैं जिन पर अभी तक एक भी लाभार्थी का ई केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण नहीं हुआ है, जिसकी ब्लॉक वार संख्या निम्नवत है। बलदेव में 66, चौमुहां ने 51, छाता में 56, फरह में 65, गोवर्धन में 46, मांट में 73, मथुरा शहर में 66, मथुरा ग्रामीण में 68, नंदगांव में 82, नौहझील में 71 तथा राया में 5 केंद्र पर अभी तक शून्य प्रगति हुई है।

उन्होंने बताया कि इससे सिद्ध होता है कि इन केंद्रों पर एक भी लाभार्थी का पोषाहार आगामी त्रैमास में नहीं आएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आज सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों की मीटिंग ली और सभी को यह चेतावनी दी है कि शून्य प्रगति वाले कार्यकर्ताओं पर फोकस करें और अगर 30 जून तक इनके द्वारा अपने सभी लाभार्थियों का ई केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण पूरा नहीं किया जाता है, तो इनकी सेवा समाप्ति की पत्रावली प्रस्तुत करें। क्योंकि केंद्र पर पंजीकृत लाभार्थियों को पोषाहार से वंचित करना गंभीर लापरवाही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिले मोबाइल रिचार्ज को एक हजार रुपये

यूनिक समय, मथुरा। डीपीओ ने बताया कि कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा विगत एक वर्ष से डेटा रिचार्ज की धनराशि न मिलने की बात जिला कार्यक्रम अधिकारी के संज्ञान में लाई गई थी, जिसके क्रम में मुख्यालय से वार्ता करने पर बताया गया है कि सभी कार्यकर्ताओं के खाते में डेटा रिचार्ज के लिए 1 हजार रुपये की धनराशि प्रेषित करने की कार्यवाही की जा रही है।

हेमा मालिनी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा का विरोध

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में भाजपा ने अखिल भारतीय हिंदू महासभा की अध्यक्ष राजश्री चौधरी द्वारा सांसद हेमा मालिनी को 'सूर्पनखा' और 'पूतना' कहे जाने की तीव्र निंदा की है। पार्टी के मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने इसे नारी गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की श्रद्धा की प्रतीक हेमा मालिनी पर इस तरह की अभद्र भाषा निंदनीय है और यह महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। भाजपा ने ऐसी निम्नस्तरीय राजनीति का विरोध करते हुए कहा कि लोकतंत्र में संवाद मर्यादित भाषा और सम्मानजनक व्यवहार के साथ होना चाहिए।

अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने शादी का झांसा देकर विगत वर्षों से शारीरिक सम्बन्ध बनाने के अभियोग में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। अभियुक्त नाम संदीप पुत्र लतेश निवासी बुखरारी मथुरा हाल पता-कटरा मौहल्ला व थाना बरसाना मथुरा बताया।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053